RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 351 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 19-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार : पायलट

6 गोलीबारी के बीच अडिग रहकर दो आतंकवादियों को किया ढेर

7 जैकलीन फर्नांडिस का एआई अवतार लॉन्च

फर्स्ट टेक

गोदावरी नदी में डूबने से पांच लोगों की मौत

गुम्मा कोथागुडेम/भाषा। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में शनिवार को गोदावरी नदी में मछली पकड़ने के दौरान तीन महिलाओं और दो पुरुषों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोलावरम जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे एटापाका प्रशासनिक क्षेत्र में हुआ। बरदार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'' गुम्मा कोथागुडेम गांव में गोदावरी नदी में पांच लोग- तीन महिलाएं और दो पुरुष डूब गए।'' उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे मछली पकड़ते हुए नदी के गहरे पानी में पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, 10 लोगों का एक समूह नदी में मछली पकड़ने गया था, जिनमें से पांच लोग डूब गए। उन्होंने बताया कि नदी में उतरकर यह समूह एक-दूसरे का हाथ पकड़कर और कपड़ों व मच्छरदानियों की मदद से मछली पकड़ रहा था।

केंद्र को वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए : अन्ना हजारे

मुंबई/भाषा। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को शिक्षाविद सोनम वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए। हजारे ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''सरकार को उनके सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। (उनकी मांगों को लेकर) हां कहें या न, लेकिन बातचीत करने में क्या हर्ज है?'' वांगचुक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

बिरला ने शिवसेना (उबाठा) के बागी गुट के शिवसेना में विलय को मंजूरी दी

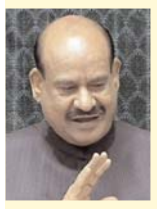

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी। साथ ही, एक कम चर्चित राजनीतिक दल नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के लिए लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था को भी स्वीकृति प्रदान की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इन छह सांसदों के विलय के बाद लोकसभा में शिवसेना के सांसदों की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल के 20 बागी सांसद सदन में अपनी मूल पार्टी से अलग बैठेंगे। इन बागी सांसदों की इस मांग पर अभी कोई स्पष्टता नहीं है कि उन्हें एनसीपीआई के सांसदों के रूप में आधिकारिक मान्यता दी जाए।

सूर्यास्त 19-07-2026 6:39 बजे
सूर्योदय 20-07-2026 5:53 बजे

BSE	NSE
78,151.45	24,334.30
(+964.58)	(+261.55)

सोना	चांदी
14,758 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	227,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब होपचोप

बेरोजगार बढ़ रहे आज,
धंधे होने लग गए लोप।
सेंसेक्स पड़ा घुटनों के बल,
मंहगाई दिखला रही कोप।
हो रहे तमंचे बिगगन भी,
जिनको कहते थे कभी तोप।
बेगाने से बाज़ार हुए,
जनता भी दिखती होपचोप।।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 'मिशन आगमन' के तहत विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदना और सह-संस्थापक एवं सीओओ नागा भरत डाका को सम्मानित करते इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन।

विक्रम-1 की सफलता भारत की अंतरिक्ष यात्रा का निर्णायक क्षण : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले 'ऑर्बिटल' रॉकेट 'विक्रम-1' के प्रक्षेपण का नेतृत्व करने वाली स्काईरूट एयरोस्पेस' की टीम से शनिवार को बातचीत की और इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी नये आयाम खोल रही है और नवाचार को गति दे रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, स्काईरूट एयरोस्पेस की टीम से बात की और 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण पर उन्हें बधाई दी। यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने और निडर होकर नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगी। भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले 'ऑर्बिटल' रॉकेट 'विक्रम-1' ने शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टकार्ड सहित अनेक प्रौद्योगिकी उपकरण को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। 'ऑर्बिटल' रॉकेट को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह उपग्रह की रफ्तार को इतना बढ़ा दे कि अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद वापस नीचे गिरने के बजाय पृथ्वी की कक्षा (ऑर्बिट) में बना रहे। 'मिशन आगमन' नामक यह अभियान भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के 'ऑर्बिटल' प्रक्षेपण बाजार में प्रवेश का प्रतीक है, जिसका नेतृत्व 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने किया। कंपनी ने इस मिशन को बड़ी सफलता बताया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने इस पहल को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक नया अध्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि चार चरणों वाला यह रॉकेट त्वरित और मांग के अनुरूप प्रक्षेपण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। मोदी ने कहा कि यह मिशन भारत के युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाता है तथा यह दर्शाता है कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधार नवाचार और उद्यम के लिए नये अवसर खोल रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा का शनिवार को यहां एक निजी अस्पताल में हृदयाघात के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष से अधिक उम्र की थीं। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें बुधवार रात शहर के ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका श्वांस संबंधी बीमारी का इलाज किया जा रहा था। अस्पताल ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि आज शाम चार बजे, ठीक होने की संभावना के बावजूद श्रीमती चेन्नम्मा को गंभीर हृदयाघात हुआ।

देवेगौड़ा, उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी तथा परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। चेन्नम्मा फरवरी 2001 में हुए तेजाब हमले से बच गई थीं।

अमित शाह ने बीएसएफ चौकी पर सीमा सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तर बंगाल में संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ से लगे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के लिए 77.06 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी शहर के बाहरी इलाके में फुलबाड़ी सीमा चौकी के जुमागाछ क्षेत्र स्थित बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पहुंचे। वहां उन्होंने बीएसएफ के जवानों से बातचीत की, सीमा बाड़ के पास स्थित निगरानी मीनार का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे। यह इस महीने उनका दूसरा पश्चिम बंगाल दौरा है। उन्होंने बीएसएफ के प्रहरी सम्मेलन' में भी हिस्सा लिया।

उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी थे। इस दौरान मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल, गृह सचिव संगमित्रा घोष, बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) महानिदेशक राकेश अग्रवाल और राज्य के पुलिस महानिदेशक सिद्ध नाथ गुप्ता सहित वरिष्ठ नौकरशाह और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर संघर्ष गहराया

दुबई/एपी। अमेरिका और ईरान ने शनिवार को भी एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर दोनों देशों के बीच संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है। पिछले कई दिनों से दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। अंतरिम युद्धविराम टूटने के बाद, इस संघर्ष के जल्द समाप्त होने के कोई संकेत नहीं हैं। 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड' ने बताया कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के खिलाफ अभियान में उसकी सैन्य ताकत को कमजोर करने के उद्देश्य से हमले किए। शनिवार तड़के जारी बयान में कहा गया कि इन हमलों में निगरानी केंद्रों, सैन्य साजोसामान, भूमिगत हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया। कुवैत ने शनिवार को कहा कि वह ईरान की मिसाइलों और ड्रोन को नष्ट कर रहा है, लेकिन एक विलवणीकरण संयंत्र पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। रेगिस्तान में स्थित इस छोटे से देश में दो दिनों में यह दूसरा ऐसा हमला था। यह देश अपने पेयजल का 90 प्रतिशत हिस्सा विलवणीकरण से ही हासिल करता है।

'आर्टिकल 370' सर्वश्रेष्ठ फिल्म, यामी गौतम सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्म 'आर्टिकल 370' को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म घोषित किया गया। यह फिल्म 2019 में संविधान के इस अनुच्छेद को हटाए जाने से जुड़ी घटनाओं पर आधारित है।

'आर्टिकल 370 में अभिनय करने वालीं यामी गौतम धर को मुख्य भूमिका में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला, जबकि मलयालम अभिनेता ममूटी और अभिनेता कार्तिक आर्यन ने क्रमशः ब्रह्मयुगम (मलयालम) और चंदू चैंपियन (हिंदी) में अपनी मुख्य भूमिकाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार साझा किया। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए, केंद्रीय जूरी के अध्यक्ष जयराज ने बताया कि तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने भरपूर मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार जीता।

वांगचुक को अस्पताल ले गई पुलिस; दीपके ने अनशन शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को चिकित्सकीय सलाह एवं उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए उनके अनशन के 21वें दिन शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गयी जिसके बाद विपक्षी दलों ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए सरकार पर असहमति की आवाज दबाने का आरोप लगाया। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने प्रदर्शनस्थल खाली करने की पुलिस की अपील को नजरअंदाज करते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर अपना आंदोलन और तेज कर दिया। पुलिस कार्रवाई के कुछ ही समय बाद पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने की मांग कर रहे कॉजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की भी मांग की और कहा कि 20 जुलाई को संसद तक प्रस्तावित मार्च निकाला जाएगा।

अस्पताल के प्राधिकारियों ने अपराह्न साढ़े तीन बजे जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि 59 वर्षीय वांगचुक ने शरीर में पानी की कमी और चयापचय संबंधी समस्याओं के बावजूद नसों के माध्यम से दिये जाने वाले तरल पदार्थ और किसी भी तरह की दवा लेने से इनकार कर दिया है। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि वांगचुक के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है।

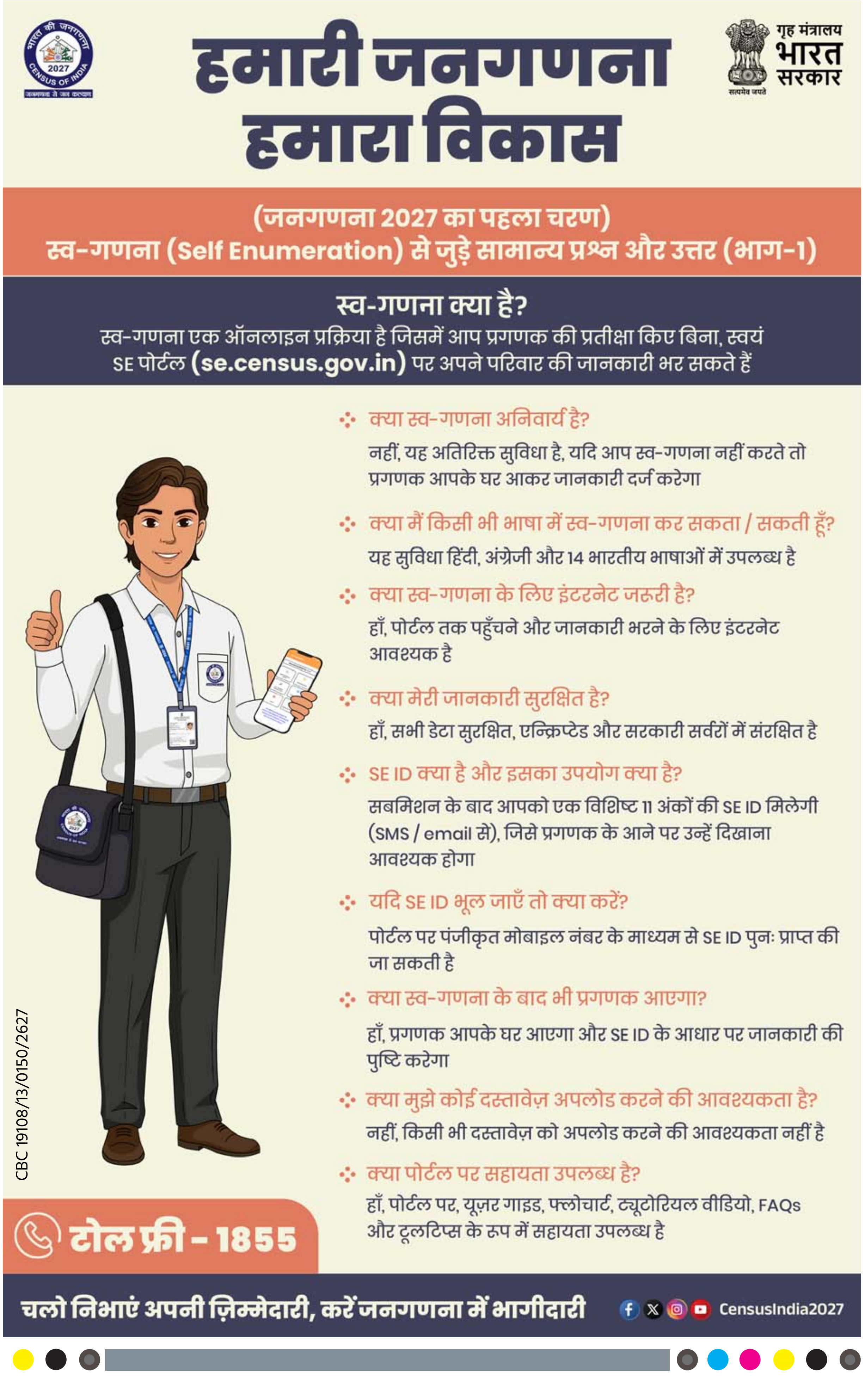

गृह मंत्रालय
भारत सरकार

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

- क्या स्व-गणना अनिवार्य है?
  नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा
- क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?
  यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है
- क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?
  हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है
- क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?
  हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है
- SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?
  सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा
- यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?
  पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है
- क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?
  हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा
- क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?
  नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है
- क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?
  हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

टोल फ्री - 1855

CBC 19108/13/0150/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

सहज स्मृति योग

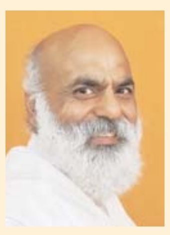

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

◆

प्रश्न: गुरुजी, आप कहते हैं कि हम में निर्णय टालने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। सदैव निर्णय लेते रहना चाहिए, ऐसा क्यों? मानव जीवन का सबसे बड़ा निर्णय कौन सा है ?

उत्तर: निर्णय और न्याय परस्पर जुड़े हुए हैं। सतत निर्णय लेते रहने से विवेक बना रहता है। विवेक किसी के साथ अन्याय नहीं करता क्योंकि, अन्याय करने पर विवेक या चरित्र स्वयं ही नष्ट हो जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि समाज में किसी न किसी व्यक्ति के विवेक या चरित्र के भ्रष्ट हुए बिना समाज में किसी के प्रति अन्याय होना सम्भव ही नहीं है।इसलिए कभी भी देर तक अनिर्णय या संशय की स्थिति में नहीं रहना चाहिए। मानव जीवन का सबसे बड़ा/गुरुतम निर्णय परमात्म–अस्तित्व का यथार्थ स्वीकार करना है। जिस जीवन में यह निर्णय घटित हो जाता है वह जीवन धन्य हो जाता है।

विड़िण्गम बंदरगाह 18 अगस्त से शुरू होगा पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह से 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात–आयात परिचालन शुरू हो जाएगा। केरल सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। परिचालन शुरू होने के साथ ही यह केवल माल पुनः लदान केंद्र से बदलकर एक पूर्ण अंतरराष्ट्रीय माल ढुलाई केंद्र बन जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को रवाना करेंगे। इसके बाद राज्य सरकार 'मिशन समुद्र' व्यापार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी।

इस सम्मेलन में वैश्विक शिपिंग कंपनियां, लॉजिस्टिक कंपनियां, निर्यातक, निवेशक और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल होंगे। राज्य सरकार इस अवसर पर अपने दीर्घकालिक समुद्री विकास कार्यक्रम 'मिशन समुद्र' की आधिकारिक शुरुआत करेगी और समुद्री क्षेत्र आधारित आर्थिक वृद्धि को लेकर केरल की योजना पेश करेगी। सीएमओ ने कहा कि केरल सरकार और अदाणी पोटर्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह दुनिया के सबसे तेजी से विकसित हो रहे कंटेनर बंदरगाहों में शामिल हो गया है।

विड़िण्गम बंदरगाह का नाम ओमन चांडी के नाम पर रखा जाए : के सी वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम (केरल)/भाषा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को केरल सरकार से विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का नाम पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी बंदरगाह परियोजना दिवंगत कांग्रेस नेता की दूरगामी सोच का ही परिणाम है। चांडी की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां पुथुपल्ली में आयोजित एक स्मृति सभा को संबोधित करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि राज्य सरकार को तुरंत इस बंदरगाह का नाम पूर्व मुख्यमंत्री के नाम पर रखने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर विड़िण्गम बंदरगाह को कोई नाम दिया जाना है, तो वह कोई और नाम नहीं हो सकता। वह सिर्फ ओमन चांडी का नाम होना चाहिए।''

वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि चांडी की याद में बनाए जाने वाले स्मारक सिर्फ इमारतों और स्मारकों तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। उन्होंने कहा, ''इसे सिर्फ भवनों और किताबों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सरकार को ऐसे संस्थानों और स्मारकों का निर्माण करना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों को ओमन चांडी के जीवन और उनके योगदान का अध्ययन करने, शोध करने और उसे समझने में मदद कर सकें।'' चांडी के बेटे और पुथुपल्ली से विधायक चांडी ओमन का जिक्र करते हुए वेणुगोपाल ने उन्हें दिवंगत नेता का सच्चा राजनीतिक उत्तराधिकारी बताया।

टेल इंजीनियरिंग ने मध्य प्रदेश में 12 किलोमीटर लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में सफलता हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग ने शनिवार को घोषणा की कि उसने मध्य प्रदेश में 1,600 करोड़ रुपये की लागत से बन रही 12 किलोमीटर लंबी भारत की 'सबसे लंबी' सिंचाई सुरंग परियोजना में सफलता हासिल कर ली है। सुरंग बनाने के काम में, कामयाबी का मतलब उस पल से है जब दोनों तरफ से खुदाई का काम कर रही टीमें एक तय बिंदु पर मिलती हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में यह कामयाबी कई भूवैज्ञानिक और जल–संबंधी चुनौतियों से पार पाने के बाद मिली है। बारह किलोमीटर लंबी यह सुरंग, स्लीमानाबाद कैरियर नहर परियोजना का हिस्सा है। यह स्लीमानाबाद (तहूली गांव) से शुरू होती है और खिरानी गांव तक जाती है। यह नहर परियोजना पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश में लगभग 2,45,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई करेगी। साथ ही जबलपुर और कटनी को रोजाना 28.4 करोड़ लीटर घरेलू और औद्योगिक पानी भी आपूर्ति करेगी। स्लीमानाबाद कैरियर नहर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही 'बरगी डायवर्जन' परियोजना का हिस्सा है। पटेल इंजीनियरिंग ने कहा कि इस सुरंग को बनाने के लिए भारत के सिंचाई बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सबसे मुश्किल भूवैज्ञानिक स्थितियों का सामना करना पड़ा। कंपनी की प्रबंध निदेशक, कविता शिरवईकर ने कहा, यह कामयाबी एक गर्व का पल है और मध्य प्रदेश में सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

देश के पहले निजी कक्षीय रॉकेट ने तकनीकी पेलोड को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले कक्षीय 'रॉकेट विक्रम–1' ने शनिवार को कई तकनीकी पेलोड और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पोस्टकार्ड सहित विभिन्न पोस्टकार्ड को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री ने इस मिशन को भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण'' बताया। 'मिशन आगमन' नाम से संचालित इस मिशन के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने पहली बार उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने वाले वैश्विक बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया। इस मिशन का संचालन हैदराबाद आधारित निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस' ने किया। कंपनी ने इस मिशन को ''बड़ी सफलता'' करार दिया।

अपने पहले अभियान में चार चरणों वाला और सात मंजिला इमारत जितना ऊंचा 'विक्रम–1' रॉकेट शनिवार को बादलों से घिरे मौसम के बीच दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले प्रक्षेपण परिसर से सफलतापूर्वक रवाना हुआ। प्रक्षेपण के दौरान रॉकेट से नारंगी रंग का धुआं निकला और इस अंतरिक्ष केंद्र से एक नए युग की शुरुआत हुई। इससे पहले दिशा–निर्देशन प्रणाली से जुड़ी संभावित समस्या के कारण प्रक्षेपण को ''अस्थायी रूप से रोक'' दिया गया था, जिसके कारण प्रक्षेपण निर्धारित समय पूर्वाह्न 11:30 बजे के बजाय 12 बजकर पांच मिनट पर किया गया। उड़ान भरने के बाद ग्राहा स्पेस, कॉसमोसर्व, डीक्यूब्ड और स्काईरूट के 'स्कोप' के तकनीकी परीक्षण के लिए तैयार छोटे उपग्रहों और उपकरणों को क्रमवार 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में स्थापित किया गया।

रॉकेट ने एक सूक्ष्म कलाकृति, 18 कैरेट सोने से बना एक सूक्ष्म रॉकेट, तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथों से लिखा वंदे मातरम'' संदेश वाला पोस्टकार्ड भी सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया। इसके साथ ही इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के पोस्टकार्ड भी भेजे गए। कंपनी ने बताया कि इस सूक्ष्म कलाकृति पेलोड में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के अग्रणी वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई, वैज्ञानिक सर सी. वी. रमन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म प्रतिमाएं शामिल हैं। इन्हें भारत की वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्रा को दिशा देने वाली तीन दूरदर्शी हस्तियों के प्रति ''सम्मान'' के रूप में तैयार किया गया। कंपनी ने कहा, ''स्काईरूट ने गर्व के साथ अपने रॉकेटों और इंजनों का नाम इन्हीं महान विभूतियों के नाम पर रखा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफल प्रक्षेपण की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश के आत्मनिर्भरता अभियान को नई मजबूती मिली है।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को इस उपलब्धि के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं संस्थापक पवन कुमार चांदना तथा सह–संस्थापक नागा भरत डाका से टेलीफोन पर बात कर उन्हें और उनकी कंपनी को बधाई दी। प्रक्षेपण के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन नियंत्रण केंद्र (एमसीसी) में मौजूद थे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने देश में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। उन्होंने कहा, ''2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों की घोषणा की गई थी। आज, मात्र छह वर्षों के भीतर एक स्टार्टअप कंपनी ने अपने पहले ही प्रयास में उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया। यह वास्तव में अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है।'' नारायणन ने स्काईरूट एयरोस्पेस की युवा टीम की सराहना की।

स्काईरूट एयरोस्पेस के दोनों संस्थापक चांदना और डाका इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं। प्रक्षेपण के दौरान दोनों इसरो प्रमुख वी. नारायणन के साथ इसरो के मिशन नियंत्रण केंद्र (एमसीसी) में मौजूद थे।

इसरो के पूर्व अध्यक्षों, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने भी एमसीसी से इस प्रक्षेपण को देखा। यह ऐतिहासिक उपलब्धि तेजी से बढ़ रहे वैश्विक लघु उपग्रह प्रक्षेपण बाजार में भारत की स्थिति को और मजबूत करने तथा इसरो के साथ–साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महिला को निर्वस्त्र करने के आरोप में तेदेपा नेता समेत नौ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर/भाषा। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में 10,000 रुपये की कथित रिश्वत नहीं मिलने पर एक महिला को निर्वस्त्र करने और उसके परिवार पर हमला करने के आरोप में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के एक नेता और उसके परिवार के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मल्लेला वेंकट रमण मूर्ति (45) गुंटूर शहर के नगरमपालेम क्षेत्र में तेदेपा से संबद्ध वार्ड सचिव है। पुलिस के अनुसार, मूर्ति ने 15 जुलाई को स्थानीय निवासी नागेश्वर राव से 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। राव द्वारा रकम देने से इनकार करने पर उसकी पत्नी पर हमला किया गया।

अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, आरोपी मूर्ति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर शुक्रवार रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई को राव अपने घर के सामने पानी के बोरवेल की मरम्मत करा रहे थे। तभी मूर्ति वहां पहुंचा और 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। राव ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि यह उनके घर का निजी काम है और इसका खर्च वह स्वयं उठा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, इस पर मूर्ति ने राव से झगड़ा शुरू कर दिया, लेकिन राव का बेटा उन्हें घर के अंदर ले गया। उसी दिन रात करीब आठ बजे मूर्ति अपने आठ रिश्तेदारों के साथ लौटा और राव तथा उसके परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान उसने राव की पत्नी के कथित तौर पर कपड़े भी उतार दिए। घटना के बाद राव के परिवार ने 16 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वह गुंटूर की इस घटना से बेहद व्यथित हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, किसी भी महिला का अपमान पूरी तरह अस्वीकार्य है और हमारे समाज में इस तरह के कृत्य का कोई स्थान नहीं है। मैंने तत्काल और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में शामिल पार्टी पदाधिकारी को निलंबित किया जा रहा है।

नायडू ने कहा, मेरी सरकार कानून का निष्पक्ष और सख्ती से पालन कराने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी व्यक्ति को उसकी राजनीतिक संबद्धता के आधार पर संरक्षण नहीं मिलेगा। आंध्र प्रदेश की हर महिला को यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी गरिमा और सुरक्षा की रक्षा हमेशा की जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि उन्होंने संबंधित तेदेपा पदाधिकारी मूर्ति को पार्टी के सभी पदों से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं।

दहेज हत्या मामले में 2018 से फरार सास और देवर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली में कथित तौर पर दहेज के लिए महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने दिल्ली और हरियाणा में एक साथ छापेमारी कर महिला की सास और देवर को गिरफ्तार किया, जो 2018 से फरार थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में हत्या, दहेज हत्या और क्रूरता से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज था। अपराध शाखा के अनुसार, मामला जनवरी 2018 में एक महिला की मौत से जुड़ा है। शुरुआत में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए (क्रूरता), 304बी (दहेज हत्या) और 34 (साझा इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

महिला के परिवार का आरोप था कि उसने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उसके ससुराल वालों ने गला घोंटकर उसकी हत्या की थी। इसके बाद मामले में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) भी जोड़ दी गई। पुलिस ने जांच के दौरान ही मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि सास कंचन (52) और देवर जतिन (31) अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद फरार हो गए थे। बाद में अदालत ने दोनों को भगौड़े अपराधी घोषित कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों लगातार अपने ठिकाने बदलते रहे, पुलिस ने उनके ज्ञात ठिकानों पर कई बार छापेमारी की, लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। अधिकारियों के अनुसार दिल्ली के इब्राहिमपुर गांव के केशव नगर की रहने वाली कंचन हरियाणा के यमुनानगर में रह रही थी, जबकि जतिन उत्तराखंड के देहरादून स्थित मधुबन एन्क्लेव में रहने लगा था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 15 जुलाई को टीम को हरियाणा के यमुनानगर जिले में आरोपियों के ठिकाने की पक्की जानकारी मिली। तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के जरिए भी इसकी पुष्टि की गई। पुलिस को यह भी पता चला कि जतिन किसी काम से दिल्ली आया हुआ है। इसके बाद विशेष टीम ने यमुनानगर और दिल्ली के ओखला इलाके में एक साथ कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि कंचन को यमुनानगर में उसके ठिकाने से पकड़ा गया, जबकि जतिन को ओखला में हिरासत में लिया गया। पहचान की पुष्टि और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर जांच अधिकारियों को बताया कि अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज होने के बाद वे फरार हो गए थे। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लगातार अपने ठिकाने बदलते रहे, दिल्ली स्थित अपने पैतृक घर नहीं गए और कई वर्षों तक छिपकर रहे।

विरोध

वान वाल्मीकि जी के अपमान के विरोध में
कांग्रेस प्रवक्ता दीपक झा माफी के लायक नहीं है नहीं है
वाल्मीकि एकता जिंदाबाद, जिंदाबाद
कांग्रेस प्रवक्ता दीपक झा को गिरफ्तार करो, गिरफ्तार करो

कांग्रेस प्रवक्ता दीपक झा द्वारा भगवान वाल्मीकि पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ नई दिल्ली के राजघाट के पास 'भगवान वाल्मीकि धर्म सम्मान रक्षा समिति' द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, महामंडलेश्वर विद्यार्थी जी महाराज, जैन आध्यात्मिक गुरु साध्वी दीप्ति जी और विवेक मुनि जी के साथ।

कॉजपा संस्थापक दीपके ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की, 20 जुलाई को संसद मार्च पर अडिग

नई दिल्ली/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने जंतर–मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह उनके अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद युवाओं के नेतृत्व वाले संगठन कॉजपा ने अपना आंदोलन तेज कर दिया। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को हर हाल में आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

पुराने विचारों वाला हूं, प्रोटोकॉल में विश्वास रखता हूं': मोदी से मुलाकात पर चर्चा के बीच तिवारी

नई दिल्ली/भाषा। चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपनी संक्षिप्त बातचीत को लेकर जारी चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को कहा कि वह अब भी ''थोड़े पुराने विचारों वाले'' हैं और प्रोटोकॉल में विश्वास रखते हैं, साथ ही उनका मानना है कि विकास के मुद्दों को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। तिवारी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी के साथ चंडीगढ़ में एक आधिकारिक कार्यक्रम के बाद हुई उनकी मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू होने के बाद आया। प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ में 4,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मनीष तिवारी चंडीगढ़ से ही सांसद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करके के बाद पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ में एक सभा को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात को लेकर हो रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीष तिवारी ने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि विकास की जरूरतों को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 24 अगस्त 2022 को श्री आनंदपुर साहिब के सांसद के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान जब प्रधानमंत्री न्यू चंडीगढ़ में डॉ. होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) का उद्घाटन करने आए थे, तब भी मैं कार्यक्रम में मौजूद था। आज यह टाटा मेमोरियल सेंटर पूरे क्षेत्र के हजारों कैंसर मरीजों के लिए जीवनरेखा बन चुका है।

तिवारी ने कहा, ''17 जुलाई 2026 को जब प्रधानमंत्री ने फिर से चंडीगढ़ और मेरे पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, तब भी मैं मौजूद था, क्योंकि ये परियोजनाएं उन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेंगी, जिनकी सेवा के लिए हमें चुना गया है।'' मनीष तिवारी ने कहा कि पिछले 45 वर्षों से राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने देखा है कि देश की राजनीति धीरे–धीरे किस तरह कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि राजनीति अब अधिक कटु और विषैली होती जा रही है, जहां राजनीतिक विरोधियों को अब दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज इस बिगड़ी हुई राजनीति का उदाहरण बन गई है। तिवारी ने कहा, ''हालांकि, मैं अब भी थोड़ा पुराने विचारों वाला हूं, जो कुछ बुनियादी शिष्टाचार और प्रोटोकॉल के सिद्धांतों में विश्वास रखता है और सबसे ऊपर विकास की जरूरतों को दलगत राजनीति से ऊपर रखता है। यही मेरी पहचान है, चाहे कोई मेरे बारे में कुछ भी सोचे।''

मीराबाई, लवलीना राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक होंगी

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु–खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने एक बयान में कहा, यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना ओवीओ 'हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।

उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'' बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं।

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था।

चेन्नई में मध्यम बारिश की संभावना, पश्चिमी घाट के जिलों में 23 जुलाई तक होगी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार शाम को चेन्नई में मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई है, जबकि तमिलनाडु के पश्चिमी घाट जिलों में पूरे सप्ताह तेज हवाओं के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से लेकर उत्तरी लक्षद्वीप क्षेत्र तक फैली एक निम्न दबाव प्रणाली वर्तमान में तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों में मौसम की स्थितियों को प्रभावित कर रही है। इस मौसम प्रणाली से वर्षा की गतिविधि बढ़ने की आशंका है, विशेष रूप से पश्चिमी घाटों पर, जहां 23 जुलाई तक तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

आरएमसी ने कहा कि इस बारिश से कई पहाड़ी और आसपास के जिलों को फायदा होने की उम्मीद है, जहां हाल के दिनों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए अगले कुछ दिनों तक इन क्षेत्रों में बारिश जारी रहने की संभावना है।

तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों में भी शुक्रवार को मध्यम बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने कहा है कि फिलहाल राज्य के अधिकांश हिस्सों में व्यापक भारी बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। हालांकि, छिटपुट बारिश और बादल छाए रहने से कुछ क्षेत्रों में मौजूदा गर्म और उमस भरे मौसम से अस्थायी राहत मिलने की संभावना है।

चेन्नई में मौसम का पूर्वानुमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और शाम या रात के दौरान हल्की बारिश की संभावना दर्शाता है। शहर में हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन दिन के समय मौसम गर्म और उमस भरा रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान लगभग 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान मौसमी स्तर के करीब रहने की उम्मीद है।

इस बीच, तमिलनाडु के आंतरिक क्षेत्रों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। आरएमसी ने कहा है कि आंतरिक जिलों में अधिकतम तापमान 21 जुलाई तक सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की आशंका है।

चेन्नई, पुडुचेरी और कराईकल सहित तटीय तमिलनाडु में तापमान मौसमी औसत के करीब रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने निवासियों को मौसम के पूर्वानुमानों से अवगत रहने की सलाह दी है, विशेष रूप से उन जिलों में जहां तेज हवाएं और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है।

मेकेदातु बांध विवाद पर द्रमुक ने संसद के दोनों सदनों में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्नाटक सरकार की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने संसद के दोनों सदनों में स्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिए हैं।

द्रमुक ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी ने मांग की है कि कावेरी नदी पर प्रस्तावित जलाशय को लेकर तमिलनाडु की बढ़ती चिंताओं और इस विवाद के समाधान के लिए तत्काल एक न्यायाधिकरण गठित करने की आवश्यकता पर चर्चा करने के लिए सदन के समस्त निर्धारित कार्य स्थगित किये जाएं। तदनुसार लोकसभा में द्रमुक के संसदीय दल के नेता एवं पार्टी कोषाध्यक्ष टी. आर. बालू तथा राज्यसभा में संसदीय दल नेता तिरुचि शिवा ने संबंधित सदनों के सचिवालय को औपचारिक नोटिस भेजे। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही एवं प्रक्रिया संबंधी नियमों के तहत द्रमुक नेताओं ने सूचीबद्ध सभी कार्यों को अस्थायी रूप से स्थगित करके स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय, तमिलनाडु पर उसके संभावित प्रभाव तथा इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किए जाने की आवश्यकता जैसे अत्यावश्यक जनमहत्व के विषय पर चर्चा कराने का अनुरोध किया।

श्री दंडायुधपाणी स्वामी मंदिर की भूमि के फर्जी निबंधन मामले में सीबी-सीआईडी ने मारे छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल (तमिलनाडु)। अपराध शाखा-सीआईडी (सीबी-सीआईडी) की टीमों ने पलानी में स्थित प्रसिद्ध श्री दंडायुधपाणी स्वामी मंदिर की भूमि के कथित फर्जी निबंधन के मामले में शनिवार को डिंडीगुल जिले के कई स्थानों पर छापेमारी शुरू की। अधिकारियों बताया कि मंदिर की करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि का निबंधन (रजिस्ट्री) दो करोड़ रुपये में कराने वाले अधिकारियों और लोगों के ठिकानों पर यह छापेमारी की गई। मंदिर प्रशासन द्वारा हाल ही में की गई जांच के दौरान इस अनियमितता का पता चला था।

राजनीतिक विवाद पैदा होने के बाद, तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने 15 जुलाई को इस मामले की जांच सीबी-सीआईडी को सौंप दी थी। एक सूत्र ने बताया कि अनियमितताओं की जांच के लिए डिंडीगुल, पलानी और ओड्डनचत्रम क्षेत्रों में एक उप-निबंधक, भूमि की खरीद-फरोख्त में मदद करने वाले व्यक्ति और दस्तावेजों पर गवाह के रूप में हस्ताक्षर करने वाले लोगों के घरों पर तलाशी ली गई।

राज्य के कानून मंत्री सी. टी. आर. निर्मल कुमार ने छापेमारी को उचित बताते हुए कहा कि मंदिरों, झीलों और जलाशयों से जुड़े पिछले पांच वर्षों के फर्जी भूमि पंजीकरण मामलों की पूरी जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध निबंधन में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। मदुरै में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कुमार ने कहा, तत्कालीन द्रमुक सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल में ऐसी कई अनियमितताएं हुईं और अब वे सामने आ रही हैं। हमने इस मामले की सीबी-सीआईडी जांच का रास्ता साफ किया। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु में किसान उत्पादक संगठन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को एक किसान उत्पादक संगठन (ग्लोबल चिली एग्रो प्राइवेट लिमिटेड) का उद्घाटन किया।

सीतारमण ने तिरुचुली गांव में आयोजित कार्यक्रम में कहा, यह किसान उत्पादक संगठन को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की वित्तीय सहायता से स्थापित किया गया है। यह भैगोलिक संकेतक (जीआई)-दर्जे वाले सांबा मिर्च और उनसे बने मूल्य-वर्धित उत्पाद तैयार करता है।

उन्होंने इस बात की सराहना की कि सिडबी इस क्षेत्र के किसानों को केवल ऋण देने तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि सभी आवश्यक सहायता भी प्रदान करता है, जो पूरे देश के लिए एक मिसाल है। मंत्री ने कहा, चूंकि इस क्षेत्र में उगाई जाने वाली मिर्च में कीटनाशकों का उपयोग बहुत कम होता है, इसलिए ये विदेशों में निर्यात के लिए बहुत उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत, सरकार इस जिले में मिर्च की खेती, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। इसके अलावा, मंत्री ने इस किसान उत्पादक संगठन द्वारा उत्पादित सांबा मिर्च और उनसे बने मूल्य-वर्धित उत्पादों को ले जाने वाले निर्यात वाहनों के पहले जत्थे को श्रीलंका, आंध्र प्रदेश और हरियाणा सहित भारत के विभिन्न हिस्सों और ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए रवाना किया। इससे पहले, विरुधुनगर जिले के तिरुचुली स्थित सरकारी कला और विज्ञान कॉलेज में निर्मला सीतारमण ने एक इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम का उद्घाटन किया। एसबीआई के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष से मिली वित्तीय सहायता से चार करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्टेडियम में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम के लिए कोर्ट शामिल हैं।

तमिलनाडु में प्रवासी श्रमिकों की जानकारी अद्यतन की जा रही : मंत्री

पुदुकोट्टई। तमिलनाडु सरकार कार्यस्थल पर सुरक्षा को मजबूत करने की राज्यव्यापी पहल के तहत हर जिले में विभिन्न उद्योगों में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों से संबंधी जानकारी अद्यतन कर रही है। श्रम कल्याण मंत्री मोहम्मद फरवास ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में टीवीके (तमिलगा वेत्री कषगम) सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से प्रवासी श्रमिकों से संबंधित जानकारी अद्यतन की जा रही है। फरवास ने यहां पत्रकारों से कहा, राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में जारी इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रवासी श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों के दायरे में लाया जाए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि आगामी बजट में चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए विशेष प्रावधान और निश्चित समयसीमा शामिल की जाएगी। फरवास ने कहा कि इसमें विभागीय स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार की मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं में मृत्यु की स्थिति में पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता, चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई कर रहे श्रमिकों के बच्चों के लिए शैक्षणिक छात्रवृत्ति और मासिक पेंशन योजनाएं शामिल हैं।

चेंगापल्ली के पास कार के टैंकर से टकराने से तीन लोगों की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान विजय (30), उनकी पत्नी थेनमोझी (26) और कुमार (36) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आठ लोगों का यह समूह तिरुत्तनी से ऊटी घूमने जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुर्घटना उस समय हुई जब कार चालक व्यस्त राजमार्ग पर एक टैंकर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इस दौरान कार सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से जा टकराई। कार में सवार आठ लोगों में चार पुरुष और चार महिलाएं थीं। हादसे में दो पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद राहगीरों और एंबुलेंस कर्मियों ने क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायलों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार शुरू होने से पहले थेनमोझी ने दम तोड़ दिया। घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है, जबकि तीन अन्य का तिरुपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पेरुंदुरई सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। उथुकुली पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

द्रमुक अपने दम पर चुनाव जीतने में सक्षम नहीं, सहयोगियों पर रही निर्भर : तमिलनाडु के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मंत्री आर. निर्मल कुमार ने शनिवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अतीत में चुनावी जीत हासिल करने के लिए अपने सहयोगी दलों पर काफी हद तक निर्भर रही है और वह अपने दम पर चुनाव जीतने में सक्षम नहीं है।

उन्होंने द्रमुक से सत्तारूढ़ टीवीके के विधायकों को अपने पाले में लाकर सरकार को अस्थिर करने के कथित प्रयासों को रोकने की अपील भी की। मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस और वाम दल, द्रमुक से दूर हो गए हैं क्योंकि वे अन्नाद्रमुक के प्रति उसकी राजनीतिक रणनीति से असहज थे। निर्मल कुमार चेन्नई पुलिस द्वारा टीवीके विधायक को कथित रूप से रिश्वत देने के मामले में 10 लोगों की गिरफ्तारी से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक एन. एलैयाराजा ने अपनी शिकायत में कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सरकार के खिलाफ मतदान करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। पुलिस ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार को अस्थिर करने के लिए यह सुनियोजित राजनीतिक खरीद-फरोख्त कथित तौर पर 'मेघालय प्रोजेक्ट' के तहत शुरू की गई थी। पुलिस के अनुसार, इसका लक्ष्य टीवीके के 15 विधायकों से इस्तीफा दिलाकर सरकार गिराना था। निर्मल कुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''द्रमुक अपने दम पर बड़ी संख्या में सीटें जीतने में सक्षम नहीं है और अतीत में चुनावी सफलता हासिल करने के लिए कांग्रेस, वाम दलों और वीसीके पर काफी निर्भर रही है। इनके बिना द्रमुक के लिए अपने दम पर 20 सीट तक पहुंचना भी मुश्किल होगा।'' उन्होंने द्रमुक से टीवीके सरकार को अस्थिर करने के प्रयास रोकने की अपील की। द्रमुक नेतृत्व पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष एम. के. स्टालिन द्वारा अपने नेताओं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करने से रोकने का निर्देश दिया हुआ प्रतीत होता है, जिससे संकेत मिलता है कि द्रमुक भाजपा के करीब जाने की तैयारी कर रही है। एक अन्य सवाल के जवाब में राज्य के ऊर्जा, संसाधन और कानून मंत्री ने कहा कि बिजली बोर्ड में रिक्त पदों को तमिलनाडु लोक सेवा आयोग (टीएनपीएससी) के माध्यम से भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए पहले संविदा कर्मचारियों की संख्या का आकलन पूरा किया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
(सर्वे एवं निर्माण)
भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी और से उप मुख्य अभियन्ता निर्माण, उत्तर पश्चिम रेल्वे बीकानेर इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित इलेक्ट्रोनिक फॉर्मेट पर ऑन लाइन खुली ई-निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते है। **1. निविदा सूचना संख्या** : उपरे-एससी-बीकेएन-02-2026-27-ईपीसी **2. कार्य का नाम स्थान सहित** : उत्तर पश्चिम रेल्वे के बीकानेर रेलवे स्टेशन का ईपीसी मोड पर प्रमुख उन्नयन का कार्य **3. कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 455,24,83,844.05 **4 जमा की जाने वाली बिड सिक्यूरिटी** : रू. 9,10,49,700.00 **5 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक** : दिनांक 14.08.2026 को 15.00 बजे तक **6. प्री बिड कोन्फ्रेस की दिनांक समय व स्थान** : **प्री बिड कांफ्रेस की दिनांक** : 23.07.2026 **प्री बिड का समय** : 11.30 बजे AM **प्री बिड का स्थान** :- मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्यालय उत्तर-पश्चिम रेलवे, जगतपुरा, जयपुर (राजस्थान) **7 वेबसाइट का विवरण जहाँ पर ई निविदा देखि जा सकती हैं ।** : www.ireps.gov.in 8 **कार्यालय का ई मेल पता** : dycecbkn@gmail.com **नोट** :- 1. कोई भी निविदा व्यक्तिगत रूप में स्वीकार नहीं की जाएगी । 2. बिड सिक्योरिटी का भुगतान नकद ई पेमेंट गेट वे द्वारा अथवा भारत स्थित किसी Scheduled Commercial Bank द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉन्ड अथवा निविदा दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार किया जाना चाहिए। बैंक गारंटी बॉन्ड वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी निर्माण उत्तर पश्चिम रेल्वे जयपुर के पक्ष में ही जारी किया जाना चाहिए अन्यथा निविदा मान्य नहीं होगी ।
1038-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कर्नाटक में सूखे पर चर्चा के लिए मंत्रिमंडल की आपात बैठक की जाएगी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने राज्य में सूखे की स्थिति और उससे निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा के लिए 20 जुलाई को मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल बांधों का पानी केवल पीने के लिए सुरक्षित रखा जाएगा, जबकि सिंचाई के लिए पानी छोड़ने का फैसला जलाशयों में जलस्तर के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों, खासकर तमिलनाडु, की ओर से कावेरी नदी का पानी छोड़ने का दबाव है।

शिवकुमार ने कहा, कल मैंने मंत्रिमंडल की आपातकालीन बैठक बुलाई है। हमने बृहस्पतिवार को बैठक करने की योजना बनाई थी, लेकिन मैं दिल्ली गया था इसलिए यह नहीं हो सकी। हमें खास तौर पर सूखे की स्थिति पर चर्चा करनी है। सुबह सभी जिलों के उपायुक्तों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक होगी।

उन्होंने कहा, हमें स्थिति और सूखे के दौरान लागू की जा सकने वाली योजनाओं और उपायों की जानकारी मिल गई है। हमें यह भी जानकारी मिली है कि सूखे के कारण कुछ इलाकों से लोग पलायन कर रहे हैं। हम स्थिति पर चर्चा करेंगे और उठाए जाने वाले कदमों का फैसला करेंगे। सूखे को लेकर केंद्र को लिखे अपने पत्र पर कोई जवाब मिलने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, अब तक कोई जवाब नहीं मिला। मुझे पता है कि पत्र भेजने के तुरंत बाद वे जवाब नहीं देंगे। हमें तथ्यों के साथ और अधिक जानकारी भेजनी होगी। हमारे पास आंकड़े हैं और स्थिति की स्पष्ट तस्वीर है, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों में हुई बारिश की मात्रा के आंकड़ें भी शामिल है।

शिवकुमार ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में बढ़ती सूखे की स्थिति का आकलन करने के लिए केंद्र की टीम भेजने का अनुरोध किया था। उन्होंने पत्र में 30 प्रतिशत कम बारिश, मानसून में देरी और इससे खेती, पेयजल तथा बांधों के जल स्तर पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का जिक्र किया था।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नमा का 89 वर्ष की आयु में निधन

बेंगलूरु के एक अस्पताल में ली अंतिम सांस

पैतृक निवास पर कल होगा अंतिम संस्कार

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा का शनिवार को यहां एक निजी अस्पताल में हृदयाघात के बाद 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें बुधवार रात शहर के ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका श्वास संबंधी बीमारी का इलाज किया जा रहा था। अस्पताल ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि आज शाम चार बजे, ठीक होने की संभावना के बावजूद श्रीमती चेन्नम्मा को गंभीर हृदयाघात हुआ।

देवेगौड़ा, उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी तथा परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि पार्थिव शरीर को शनिवार रात बेंगलूरु के पद्मनाभनगर स्थित उनके आवास ले जाया जाएगा और रविवार दोपहर तक वहीं रखा जाएगा। अंतिम संस्कार सोमवार को हासन जिले में स्थित उनके पैतृक गांव में किए जाने की संभावना है। चेन्नम्मा फरवरी 2001 में हुए तेजाब हमले से बच गई थीं। बताया गया था कि यह हमला पारिवारिक विवाद से जुड़ा था। उनका विवाह 1954 में देवेगौड़ा से हुआ था। दंपति के चार बेटे और दो बेटियां हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और विधायक एच. डी. रेवन्ना शामिल हैं। रेवन्ना हासन जिले की होलानरसिपुर विधानसभा सीट से विधायक हैं। प्रमुख सियासी परिवार से होने के बावजूद चेन्नम्मा ज्यादातर सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहीं। जानकारी के अनुसार गत गुरुवार को अचानक चेन्नम्मा की तबीयत बिगड़ गई, जिससे परिवार के सदस्यों की चिंता बढ़ गई। देवेगौड़ा अपने बेटे कुमारस्वामी और रेवन्ना के साथ तुरंत अस्पताल पहुंचे और उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों से बातचीत की। पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने उस गंभीर स्वास्थ्य संकट को याद किया जिससे उनकी मां लगभग 25 साल पहले उबर चुकी थीं।

उन्होंने कहा, 25 साल पहले, एसिड अटैक के बाद उनके बचने की बहुत कम उम्मीद थी। ईश्वर की कृपा से वह तब ठीक हो गई थीं। मणिपाल अस्पताल के डॉक्टर अब बेहतरीन इलाज कर रहे हैं। आखिरकार, दवा से परे, देवी राजराजेश्वरी में उनका विश्वास ही उन्हें बचाएगा और घर वापस लाएगा। परिवार के सदस्यों ने बताया कि चेन्नम्मा पिछले तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती थीं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की लगातार निगरानी में थीं।

उत्तर पश्चिम रेलवे
No. NWR-JU-EOI-Consultant -2026 Date : As per signature
रुचि अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना
उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल **"जैसलमेर, नागौर एवं भगत की कोठी रेलवे स्टेशनों पर गैर-किराया राजस्व (Non-Fare Revenue - NFR) में वृद्धि हेतु पारंपरिक एवं अपारंपरिक माध्यमों से अप्रयुक्त एवं भावी संसाधनों / परिसंपत्तियों की पहचान एवं उनके वाणिज्यिक दोहन के लिए परामर्श सेवाओं की नियुक्ति"** हेतु रुचि अभिव्यक्ति (Expression of Interest- EOI) आमंत्रित करता है।
इच्छुक फर्मों / व्यक्तियों / सेवा प्रदाताओं से अनुरोध है कि वे EOI का विस्तृत विवरण उत्तर पश्चिम रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **www.nwr.indianrailways.gov.in** पर देखें अथवा अधिक जानकारी हेतु वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जोधपुर (कार्यालय दूरभाष: 9001198399 / 9001198718) से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क करें।
संबंधित कार्य में अनुभव एवं आवश्यक क्षमता रखने वाली इच्छुक फर्में / व्यक्ति / सेवा प्रदाता निर्धारित प्रारूप में आवश्यक विवरण सहित अपनी रुचि अभिव्यक्ति (EOI) सीलबंद लिफाफे में दिनांक 11.08.2026 को अपराह्न 15:00 बजे तक प्रस्तुत करें। **रुचि अभिव्यक्ति में परामर्श सेवाओं की अनुमानित लागत का स्पष्ट उल्लेख किया जाना आवश्यक होगा। यह अनुमानित लागत जीएसटी (GST) सहित होगी।**
लिफाफे पर निम्नलिखित अंकित होना चाहिए :
"जैसलमेर, नागौर एवं भगत की कोठी रेलवे स्टेशनों पर गैर-किराया राजस्व (NFR) में वृद्धि हेतु पारंपरिक एवं अपारंपरिक माध्यमों से अप्रयुक्त एवं भावी संसाधनों / परिसंपत्तियों की पहचान एवं उनके वाणिज्यिक दोहन के लिए परामर्श सेवाओं की नियुक्ति संबंधी रुचि अभिव्यक्ति (EOI)"
रुचि अभिव्यक्ति आमंत्रण सूचना उत्तर पश्चिम रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **www.nwr.indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध है। पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले आवेदकों को चयन समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण (Presentation) / प्रस्ताव (Proposal) प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया जा सकता है।
बैठक संबंधी सूचना
उक्त रुचि अभिव्यक्ति (EOI) के संबंध में बैठक **दिनांक 28.07.2026 को अपराह्न 15:30 बजे** अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में, **मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, हरिश जोशी मार्ग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल, जोधपुर** – **342001** में आयोजित की जाएगी।
1028-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने शनिवार को आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर जनता के बढ़ते आक्रोश के कारण केंद्र सरकार 'बैकफुट' पर और घबराई हुई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रही है। पायलट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने संवाद और समाधान का रास्ता अपनाने के बजाय दमनात्मक कार्रवाई का मार्ग चुना है।

उन्होंने टोंक में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर सरकार वास्तव में वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थी तो उसे सबसे पहले उनकी मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए था।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और प्रश्न पत्र लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर देशभर के युवाओं में व्यापक आक्रोश है, लेकिन सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विद्यार्थियों और युवाओं की आवाज लगातार उठाती रही है तथा प्रश्न पत्र लीक व शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर सरकार से जवाब मांग रही है।

पायलट ने राजस्थान में पंचायत, निकाय और छात्रसंघ चुनावों के मुद्दे पर आरोप लगाया कि राज्य सरकार लगातार बहाने बनाकर चुनाव टालने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय की फटकार के बावजूद सरकार चुनाव कराने से बच रही है, क्योंकि उसे जनता के जनादेश का भय है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने इससे पहले टोंक सर्किट हाउस में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जिले में जारी विकास कार्यों, पेयजल एवं बिजली आपूर्ति और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। पायलट ने अधिकारियों को लंबित विकास कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

जोधपुर के अस्पताल में महिला को गलत समूह का रक्त चढ़ाया, बिगड़ी सेहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में 24 वर्षीय महिला को प्रसव के बाद कथित तौर पर गलत समूह का रक्त चढ़ा दिया गया और उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई, हालांकि बाद में चिकित्सकों ने उसकी सेहत में सुधार की बात कही। इस चूक के कारण तबीयत बिगड़ने पर मरीज धापू भील को 13 जुलाई को महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। जोधपुर जिले के डावरा बावड़ी गांव की निवासी धापू ने 11 जुलाई को एक बेटे को जन्म दिया था। खून की कमी और प्रसव के बाद की अन्य जटिलताओं के कारण, उन्हें उसी दिन उम्मेद अस्पताल रेफर किया गया था, जहां उन्हें उनके रक्त समूह 'ओ-पॉजिटिव' का खून चढ़ाया गया।

हालांकि, 12 जुलाई की रात को दूसरी बार खून चढ़ाने के दौरान उन्हें कथित तौर पर 'बी-पॉजिटिव' खून चढ़ा दिया गया। परिजनों के मुताबिक, खून चढ़ाने के तुरंत बाद धापू को तेज कंपकंपी होने लगी और उनके 'यूरिन कलेक्शन बैग' में खून दिखाई दिया। इसके बाद उनकी हालत और बिगड़ती चली गई जिससे उनके गुर्दे ने काम करना बंद कर दिया, पेशाब आना बंद हो गया और रक्तस्राव शुरू हो गया।

हालत गंभीर होने पर धापू को एमजी अस्पताल भेजा गया, जहां उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। एमजी अस्पताल के अधीक्षक फतेह सिंह ने बताया कि गलत समूह का रक्त चढ़ने के कारण मरीज के गुर्दे पर गंभीर असर पड़ा है और पेशाब आना बंद हो गया था। उन्होंने कहा, मरीज का लगातार डायलिसिस किया जा रहा है और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। वह अभी गहन निगरानी में हैं।

धापू के पति किशनराम का दावा है कि परिवार को यह बताया ही नहीं गया कि एमजी अस्पताल रेफर करने की नौबत गलत खून चढ़ाने के कारण आई। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, यह चूक संभवत: इस वजह से हुई कि उम्मेद अस्पताल में भर्ती दो महिलाओं के नाम एक जैसे थे और उनके पतियों के नाम भी समान थे।

सूत्रों ने बताया कि इनमें से एक मरीज का रक्त समूह 'बी-पॉजिटिव' था, जिसके कारण खून चढ़ाने की प्रक्रिया के दौरान यह बड़ी गड़बड़ी हो गई। उम्मेद अस्पताल का संचालन करने वाले एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य बी. एस. जोधा ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान के कई इलाकों में अगले हफ्ते फिर से बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून लगातार कमजोर बना हुआ है, हालांकि अगले हफ्ते इसके दुबारा जोर पकड़ने और कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में कमजोर मानसून परिस्थितियां अगले दो-तीन दिन जारी रहेंगी। हालांकि, पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियों में 21 जुलाई से बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

वहीं 22-23 जुलाई से राज्य के पश्चिमी व मध्य भागों में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। जबकि 23 से 28 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर-बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

मदरसे में छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई कराना निंदनीय : बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने डीग जिले की पहाड़ी तहसील के मीलखेड़ा स्थित मदरसे में सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान हुए हादसे को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि अध्ययनरत छात्राओं से इस प्रकार का कार्य कराना नियमों के विरुद्ध, निंदनीय और शर्मनाक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गृह राज्यमंत्री ने शनिवार को भरतपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में एक बालिका की मृत्यु अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। जबकि घायल छात्राओं का अलवर के अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अलवर जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार द्वारा दिए गए हैं तथा डीग जिला कलक्टर पूरे मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

बेढ़म ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई जैसा जोखिमपूर्ण कार्य कराना गंभीर लापरवाही है। इस घटना पर संस्थान के संचालकों के साथ-साथ समाज को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार की पहली प्राथमिकता घायल छात्राओं का बेहतर इलाज सुनिश्चित करना, उनकी सुरक्षा करना तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ कर पुनः शिक्षा से जोड़ना है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी बच्चे को ऐसी दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना न करना पड़े।

प्रदेश के मरीजों को मिल रहा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का लाभ : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है।

जोशी ने शनिवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हज़ार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (उ्नत्नउ्चिड) के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है।

आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुखराज सैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया, भंडारण, बाजार दरों से तुलना तथा गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औषधियों एवं चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जारी करने से पहले द्विस्तरीय गुणवत्ता परीक्षण (डबल-लेयर्ड क्वालिटी कंट्रोल) किया जाता है। औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का चयन कंप्यूटरीकृत रैंडम प्रणाली से किया जाता है तथा सभी जैविक (बायोलॉजिकल) उत्पादों के लिए एनआईबी (छ्खइ) परीक्षण अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि पैनलबद्ध औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का नियमित निरीक्षण भी किया जाता है। गुणवत्ता की सतत निगरानी के लिए इन प्रयोगशालाओं द्वारा जांचे गए औषधि नमूनों में से 10 प्रतिशत नमूनों का रैंडम रूप से पुनः परीक्षण कराया जाता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में वित्त (व्यय) विभाग की शासन सचिव श्रीमती टीना सोनी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. रविप्रकाश, चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नागौर के गांव पहुंचे मुख्यमंत्री शर्मा, किसानों के साथ खेत में की निराई-गुड़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह प्रातः भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर ग्रामीणों से सहज और आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री सबसे पहले खेतों में पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों के साथ फसलों का अवलोकनकिया। उन्होंने खेती की वर्तमान स्थिति, उपज, सिंचाई व्यवस्था, कृषि लागत और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव का फीडबैक भी प्राप्त किया।

प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।

उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका एवं राजीविका गतिविधियों पर चर्चा की। युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों को लेकर संवाद किया। बुजुर्गों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली, इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार कर चॉकलेट वितरित की और उनकी पढ़ाई तथा भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिला। प्रातः भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारिता की शाखा स्थापित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा रहा है, जबकि राजीविका के माध्यम से लाखों महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर परिवार और समाज में नई पहचान स्थापित कर रही हैं।

बरलूट में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत शनिवार को सिरोही जिले में बरलूट स्थित राजकीय विद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा जालौरसिरोही सांसद लुम्बारामजी चौधरी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण का संकल्प है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल भी करे, तभी यह अभियान सफल होगा।

सांसद चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया यह अभियान जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया। पर्यावरण संरक्षण समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। सभी को ऐसे जनहितकारी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों से उत्पादन और आय बढ़ाएं किसान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेगाना/जयपुर।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा की किसान का जीवन संघर्ष और परिश्रम से भरा होता है। वह विपरीत परिस्थितियों और प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद भी हार नहीं मानता है और हर बार नई उम्मीद के साथ खेती करता है। ऐसे में किसान को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाकर ही देश और प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण एवं व्यापक परिवर्तन हुए हैं मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को डेगाना के तिलानेश गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में किसानों, पशुपालकों एवं युवाओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की चिंता करने की परंपरा को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने मजबूती दी थी।

जश्न

राजस्थान के बीकानेर में शनिवार को नीट परीक्षा पास करने और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दाखिला मिलने की खुशी में पारंपरिक परिधानों में जश्न मनाते छात्र।

सोनम वांगचुक मामले पर टीकाराम जूली का तंज, 'तानाशाही से आंदोलन खत्म करना चाह रही सरकार'

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने सोनम वांगचुक के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने करीब 20 दिनों तक प्रदर्शनकारियों से संवाद स्थापित करने का कोई प्रयास नहीं किया। अब तानाशाहीपूर्ण रवैया से आंदोलन को खत्म करना चाहती है। इस तरह सरकार को नहीं करना चाहिए। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि न तो कोई मंत्री, न भाजपा का कोई पदाधिकारी और न ही कोई सरकारी अधिकारी वांगचुक से मिलने पहुंचा। जब उनकी तबीयत को लेकर देश-विदेश में चिंता बढ़ी और जनता का दबाव बना, तब सरकार ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाकर अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑस्ट्रेलिया में 'पिच ब्लैक' अभ्यास का हिस्सा बनेंगे वायुसेना के राफेल विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना के कई राफेल विमान ऑस्ट्रेलिया द्वारा 20 जुलाई से सात अगस्त तक आयोजित किए जाने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'पिच ब्लैक' का हिस्सा होंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वायुसेना ने शुक्रवार को कहा कि इस अभ्यास से अभियानगत तालमेल बेहतर होगा और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी।

रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) की वेबसाइट के अनुसार, 'पिच ब्लैक' आरएएएफ का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभ्यास है। यह तीन हफ्ते तक डार्विन में दुनिया के सबसे बड़े सैन्य प्रशिक्षण इलाकों में से एक में होता है और इसमें लड़ाई जैसे मुश्किल हालात शामिल होते हैं। इसमें कहा गया कि इस अभ्यास के साथ-साथ, उत्तरी क्षेत्र के लोगों को एक बार फिर इसमें शामिल विमानों को हवा और जमीन पर देखने का मौका मिलेगा।

साथ ही, उन्हें ब्रुनेई, कनाडा, फिजी, फिनलैंड, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपीन, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, स्पेन, स्वीडन, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के सैन्य कर्मियों से मिलने का भी अवसर मिलेगा। वायुसेना ने शुक्रवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय वायु सेना का दल अभ्यास 'पिच ब्लैक 2026' के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है।

वायुसेना ने अपने लड़ाकू विमानों और वायुसैनिकों की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, दमदार राफेल उड़ाते हुए, वायुसेना मित्र देशों की वायु सेनाओं के साथ मिलकर प्रशिक्षण करेगी। यह अभ्यास अभियानगत तालमेल को बेहतर बनाएगा और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद करेगा। तैयार। सक्षम। केंद्रित।

मानसून सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक; वांगचुक का मुद्दा छाए रहने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। सरकार द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर जंतर-मंतर से जबरन हटाए जाने का मुद्दा उठने की संभावना है। इस बैठक में सभी प्रमुख दलों के सदन के नेता शामिल होंगे और कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चढ़ावे में कथित हेराफेरी का मामला भी शामिल है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के विरोध स्थल से पुलिस द्वारा वांगचुक को हटाए जाने का मामला इस बैठक में छाया रहेगा। राम मंदिर के लिए मिले चढ़ावे के कथित दुरुपयोग का मुद्दा भी बैठक में अहम रूप से उठ सकता है। समाजवादी पार्टी ने घोषणा की है कि वह इस मामले को लेकर सदन की कार्यवाही में बाधा डालेगी। इसके अलावा, सरकार ने कुछ नए विधेयकों की घोषणा की है जिन्हें आगामी मानसून सत्र के दौरान लोकसभा या राज्यसभा में पेश किया जाएगा। लोकसभा सचिवालय के एक बुलेटिन के मुताबिक, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पेश करने, उस पर विचार करने और पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

योगी आदित्यना
मुख्यमं र प्रदेश
KAPISH

अनुशासन ही जीवन का सबसे बड़ा मंत्र, नए इतिहास रचें विद्यार्थी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विद्यार्थियों से आत्मानुशासन, परिश्रम और राष्ट्र प्रथम की भावना को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि अनुशासन ही जीवन का सबसे बड़ा मंत्र है तथा इतिहास वही रचता है, जो निरंतर अनुशासित होकर प्रयास करता है। एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री बुलंदशहर में रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के अंतःकरण में राष्ट्र प्रथम का भाव होना चाहिए। योगी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी संघ के आदर्शों से प्रेरणा ले सकें तो उनका जीवन सार्थक होगा। उन्होंने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि निजी ट्रस्ट भी सैनिक स्कूल स्थापित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाधिक सैनिक और सैन्य अधिकारी देने वाले बुलंदशहर में सैनिक स्कूल की स्थापना महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सैनिक स्कूल के लिए 32 बीघा भूमि दान करने वाले बाबा राजपाल सिंह का भी अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देशवासियों को पंच प्रण' का संकल्प दिलाया था।

उन्होंने कहा कि गुलामी की मानसिकता का त्याग, देश की विरासत पर गर्व, सामाजिक समरसता, वर्दीधारी बलों के प्रति सम्मान और नागरिक कर्तव्यों का पालन प्रत्येक भारतीय के लिए आवश्यक है।

योगी ने कहा कि विद्यार्थी अनुशासित होकर शिक्षा ग्रहण करें और शिक्षक उनमें संस्कार विकसित करने के साथ समय पर पाठ्यक्रम पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं तथा सैनिक हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखता है। मुख्यमंत्री ने जापान का उल्लेख करते हुए कहा कि 1945 में परमाणु बम हमले के बाद भारी तबाही झेलने के बावजूद जापान आत्मानुशासन और परिश्रम के बल पर विकसित राष्ट्र बना। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और आज विश्व की 'चौथी' सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

योगी ने विद्यार्थियों से जापान के अनुशासन और कार्यसंस्कृति से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने रज्जू भैया को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि उनका जीवन भारत, भारतीयता और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में छात्राओं को भी प्रवेश दिया जाएगा और राज्य सरकार रज्जू भैया की माता के नाम पर उनके लिए छात्रावास का निर्माण कराएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

दैनिक कामकाज में शामिल सभी लोगों से होगी पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच के तहत अब मंदिर के दैनिक कामकाज में शामिल सभी लोगों से पूछताछ की जाएगी। उच्च पदस्थ सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मामले की जांच केवल दान के गबन तक सीमित नहीं होगी बल्कि ट्रस्ट द्वारा निर्माण और जमीन की खरीद में किए गए अन्य लेनदेन की भी जांच की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, लगभग 50 लोग मंदिर में भक्तों द्वारा दान किए गए नोटों की गिनती में लगे हुए थे और इनकी भर्ती ट्रस्ट के पदाधिकारियों या उनके साथ जुड़े अन्य लोगों द्वारा की गई सिफारिशों पर की गई थी।

सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता अब इन कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या किसी ने नकदी गिनती ड्यूटी में शामिल होने के बाद अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है। सूत्रों ने प्रबंधन से जुड़े कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों और कुछ सरकारी पदाधिकारियों को भी जांच के दायरे में लाने की पुष्टि की। जांचकर्ताओं के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में से छह के खिलाफ सीसीटीवी फुटेज से प्रत्यक्ष सबूत मिले हैं। उन्होंने बताया कि वीडियो में आरोपियों को दान की गिनती करते समय नकदी को अपने कपड़ों, जेबों और जूतों के अंदर छिपाते हुए देखा जा सकता है।

पुलिस ने 25 जून को ट्रस्ट की शिकायत पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की और अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया।

मनीष यादव चंपत राय के पूर्व चालक टिन्नू यादव का भतीजा है। टिन्नू यादव मंदिर के दान बक्सों की कथित तौर पर निगरानी करता था जबकि मनीष प्रसाद की गिनती में शामिल था। पुलिस ने पहले टिन्नू यादव के घर से एक लाख रुपये और मनीष के घर से दो लाख रुपये बरामद किये थे।

राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी जून के पहले सप्ताह में सामने आई और अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और ट्रस्ट के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। विपक्षी दलों ने कहा कि वे 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा उठाएंगे।

अवैध निर्माण के आरोप में अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय को ढहाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी के अमतला स्थित पार्टी कार्यालय को ढहा दिया। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह इमारत कथित रूप से स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू निर्माण नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई थी। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शनिवार सुबह शुरू हुई। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय बलों ने पार्टी कार्यालय के परिसर को अवरोधक लगाकर घेर लिया। दोपहर के आसपास तीन बुलडोजर मौके पर लाए गए, जिसके बाद प्रशासन ने पहले कार्यालय के सामने बने शेड को हटाया और फिर भवन के अग्रभाग को ढहा दिया। एहतियात के तौर पर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मी भी मौके पर मौजूद रहे। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई सभी आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद की गई। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''प्रशासन ने लागू कानूनों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्रवाई की है। यह कार्रवाई निर्माण संबंधी नियमों के कथित उल्लंघन से जुड़ी है और इसका किसी राजनीतिक विचार से कोई संबंध नहीं है।''

ध्वस्तीकरण के दौरान पुलिस ने भवन से कई कंप्यूटर, लैपटॉप और बड़ी संख्या में फाइलें भी बरामद कीं। कार्रवाई के बाद इलाके में मौजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जश्न मनाया तथा पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं और अमतला इसी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। अमतला से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि अभिषेक बनर्जी का पार्टी कार्यालय भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन कर बनाया गया था और जिला प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया।

नस्कर ने कहा, यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया था और प्रशासन ने आखिरकार कानून के अनुसार कार्रवाई की है। अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के निर्माण में सभी नियमों का उल्लंघन किए जाने संबंधी शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि शिकायतों के आधार पर शुरू की गई वैधानिक प्रक्रिया के तहत संबंधित व्यक्तियों को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर सुनवाई में उपस्थित होने के लिए कहा गया था। दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, प्रशासन ने कानून के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई शुरू की है। कथित अनधिकृत निर्माण की शिकायत मिलने के बाद नोटिस जारी किए गए थे और मामला फिलहाल विचाराधीन है। सुनवाई के बाद तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही आगे की कार्रवाई की गई।

अमतला स्थित पार्टी कार्यालय के आसपास शनिवार सुबह से ही अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। परिसर के चारों ओर अवरोधक लगाए गए और पुलिस तथा नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का दौरा किया। अधिकारी ने कहा, ''हमने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए कि पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से और कानून के अनुरूप पूरी हो।

मौलाना अरशद मदनी ने मुसलमानों से गैर-मुस्लिम पड़ोसियों के सुख-दुख में सहभागी बनने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। जमीयत उलमा-ए-हिंद (एएम) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने मुसलमानों से देश में सांप्रदायिकता का मुकाबला करने के लिए अपने आसपास रहने वाले गैर-मुस्लिम लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने और उनकी हरसंभव मदद करने की अपील की। मदनी ने कहा कि इससे मुसलमानों के प्रति फैलाई जा रही गलतफहमियां दूर करने में मदद मिलेगी। मदनी ने 'हिंदू-मुस्लिम इत्तेहाद कॉन्फ्रेंस' को संबोधित करते हुए कहा कि मुसलमानों के खिलाफ चलाए जा रहे ''प्रोपेगेंडा'' का प्रभावी जवाब संवाद और आपसी विश्वास से ही दिया जा सकता है।

उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के मदरसों में वर्ष में कम से कम एक बार गैर-मुस्लिम लोगों को आमंत्रित करें और उन्हें बताएं कि वहां क्या पढ़ाया जाता है, मुसलमानों का रहन-सहन कैसा है तथा उनके उसूल और धार्मिक मान्यताएं क्या हैं, ताकि उनके मन में मौजूद गलतफहमियां दूर हो सकें। उन्होंने देश में सांप्रदायिकता बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और अन्य सरकारों के शासनकाल में भी मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया गया, लेकिन मौजूदा दौर में मुसलमानों के साथ-साथ उनके धर्म, धार्मिक मान्यताओं और उसूलों को भी निशाना बनाया जा रहा है। मौलाना मदनी ने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वह इस कठिन समय में इस्लाम के वास्तविक मूल्यों का परिचय देते हुए सभी गैर-मुस्लिम भाइयों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा हो और अपनी क्षमता के अनुसार उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करे। उन्होंने कहा, ''नफरत की आग को नफरत से नहीं बुझाया जा सकता। इसे केवल प्यार, मोहब्बत और भाईचारे से ही समाप्त किया जा सकता है।''

मदनी ने कहा कि मुसलमानों को हिंदू और अन्य मजहब को मनने वाले अपने भाइयों को यह बताना चाहिए कि इस्लाम प्रेम, सहिष्णुता और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा, ''अगर इस्लाम कत्ल और जुल्म का पैगाम देता, तो वह दुनिया में सबसे तेजी से फैलने वाला धर्म नहीं होता।'' उन्होंने सभी देशवासियों से अपील की कि वे सांप्रदायिकता के खिलाफ प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाएं। उन्होंने कहा कि घर, मोहल्ले, बाजार और समाज के हर स्तर पर भाईचारे की बात होनी चाहिए और उस पर अमल भी होना चाहिए।

रामपुर में मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पर बुलडोजर चलाने के रामपुर विकास प्राधिकरण के आदेश के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह फैसला गलत है। उन्होंने कहा, मेरी राय में जौहर विश्वविद्यालय को बने रहना चाहिए। उसे ध्वस्त करना उचित नहीं है।

सीबीआई ने रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों के खिलाफ मामलों में 15 जगहों पर तलाशी ली

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामलों के संबंध में दिल्ली और मुंबई में 15 जगहों पर शनिवार को तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि इन तलाशी अभियानों में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़ी 23 आपस में संबद्ध संस्थाओं को शामिल किया गया। ये परिसर दो शहरों मुंबई और दिल्ली में स्थित हैं। प्रवक्ता ने कहा, आरोप है कि ''... ग्रुप से जुड़ी आपस में संबंधित संस्थाओं का इस्तेमाल आरसीएफएल और आरएचएफएल द्वारा उधार ली गई बैंक धनराशि को रिलायंस एडीए ग्रुप की अन्य कंपनियों में भेजने के लिए एक माध्यम के रूप में किया गया, जिससे ऋण देने वाले बैंकों को आर्थिक नुकसान हुआ।'' उन्होंने बताया कि मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद ये तलाशी अभियान चलाये गये। एजेंसी ने एक बयान में कहा, तलाशी अभियान के दौरान तीन व्यक्तियों के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। इनमें आरएचएफएल के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), रिलायंस एडीए समूह के पूर्व प्रमुख कंपनी सचिव तथा आरएचएफएल के पूर्व मुख्य कोषागार सलाहकार शामिल हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त को

सुलतानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर की एक विशेष अदालत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ जारी मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को नहीं हो सकी। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संबंधित न्यायाधीश के प्रशिक्षण पर होने के कारण मामले की सुनवाई नहीं हो सकी और अब अगली सुनवाई पांच अगस्त को होगी। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि सांसद/विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत में शनिवार को मामले की सुनवाई निर्धारित थी लेकिन संबंधित न्यायाधीश के प्रशिक्षण पर होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि अदालत ने अगली सुनवाई के लिए पांच अगस्त की तारीख तय की है।

शुक्ला ने बताया कि मामले से संबंधित एक निगरानी याचिका अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) की अदालत में लंबित थी, जिसे पिछली सुनवाई में खारिज कर दिया गया था। निगरानी याचिका खारिज होने के बाद मूल पत्रावली अधीनस्थ न्यायालय में वापस आनी थी, जिसके बाद मामले में बहस होनी थी। उन्होंने बताया कि एडीजे कोर्ट संख्या-5 में लंबित यह निगरानी याचिका राहुल गांधी की आवाज के नमूने से संबंधित थी, जिसे अदालत ने 15 जुलाई को खारिज कर दिया था। याचिका में पत्रावली में संलग्न सीडी का राहुल गांधी की आवाज के नमूने से मिलान कराने का अनुरोध किया गया था।

अदालत ने आदेश में कहा था कि यह अर्जी अत्यधिक विलंब से दायर की गयी थी और पूरी तरह आधारहीन है। अदालत ने यह भी कहा था कि अधीनस्थ न्यायालय ने अपने विवेक का उचित प्रयोग किया और उसके आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। वहीं शिकायतकर्ता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि वे इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे।

मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि जब सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक शांतिपूर्ण तरीके से अनशन पर थे, तब उन्हें जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के मूल सिद्धांत ''असत्य और हिंसा'' हैं। कांग्रेस ने वांगचुक को जंतर-मंतर से अस्पताल स्थानांतरित करने संबंधी पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और इस कार्रवाई को देश के लोकतंत्र और संविधान के ऊपर एक और ''काला धब्बा'' करार दिया।

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के मूल सिद्धांत ''असत्य और हिंसा'' हैं। उन्होंने कहा, ''जब सोनम वांगचुक जी शांतिपूर्ण तरीके से अनशन पर थे, तब उन्हें जंतर-मंतर से हटाया जाना गलत है।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि प्रश्न पत्र लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और विद्यार्थियों की आत्महत्याएं भारत के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत भारत के विद्यार्थियों और उन लोगों को, जो उनसे प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास करते हैं, इन मुद्दों को उठाने से रोक नहीं सकती। जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 21वें दिन स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद शनिवार तड़के वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने इसके लिए चिकित्सा सलाह और दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला दिया है। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास किया, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हुई। पुलिस ने कहा कि हालांकि, पुलिसकर्मियों ने अधिकतम संयम बरतते हुए पूरी कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की। पुलिस की कार्रवाई के तुरंत बाद कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया।

रथ यात्रा

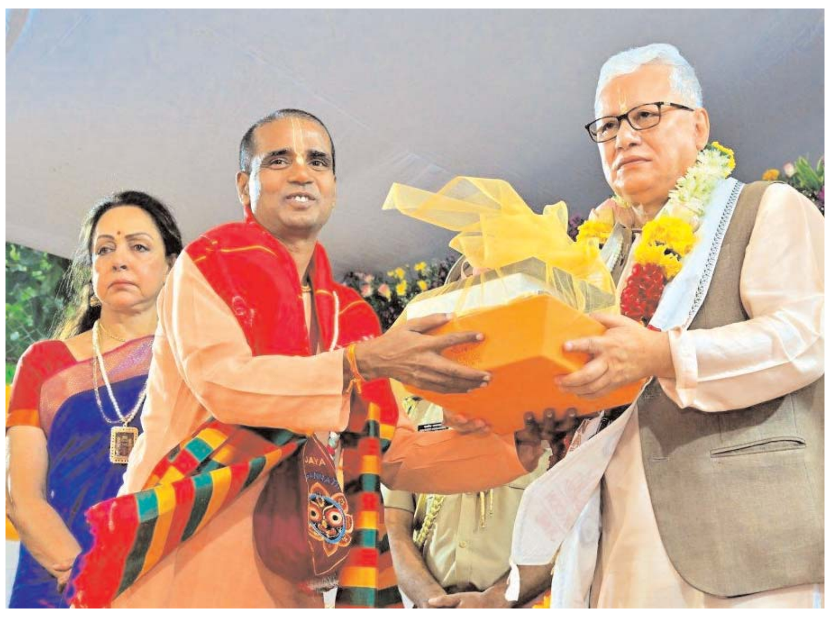

मुंबई के अंधेरी में इस्कॉन द्वारा आयोजित 45वीं श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के उद्घाटन समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और अभिनेत्री हेमा मालिनी।

सुविचार

सकारात्मक सोच जीवन की शक्ति है। नकारात्मकता से दूरी रखें। हर परिस्थिति में अच्छाई खोजें, आत्मविश्वास बनाए रखें, रास्ते आसान लगेंगे।

ट्वीट

रिया के पिता राजेश अपनी बेटी को खोने से इस तरह टूट गए कि उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति की आंखों में आंसू आ गए। यह सिर्फ एक परिवार का दर्द नहीं है। पेपर लीक ने ऐसे कई परिवारों से बच्चे छीन लिए हैं। हर नाम के पीछे एक मां, एक पिता हैजिनके लिए अब कोई कल नहीं है।

-राहुल गांधी

मैसूर राज्य के आखिरी महाराजा और हमारी धरती के पहले गवर्नर श्री जयचामाराजेंद्र वाडियार के जन्मदिन पर उन्हें सादर नमन।कला, साहित्य और संगीत में उनका योगदान हमेशा अमर रहेगा। उनके आदर्श हमेशा हमारी धरती के लिए प्रेरणा हैं।

-डीके शिवकुमार

कहानी

मीरा सीकरी

सच्चो सच

उसने सोचा, घंटी बजाने की क्या जरूरत है?...छत पर ही तो लोहड़ी जलायी होगी...वह सीधा ऊपर छत पर ही पहुंच जाती है–सबको वहीं तो होना चाहिए...पन्द्रह दिनों से वह यहाँ आना–आना कर रही थी...पर अब, जबकि कल–परसों तक उन्हें पाकिस्तान लौट जाना है–वह अपने को रोक नहीं सकी थी। उसने सोचा, वह मिलेगी तो जरूर, देखेगी तो सही कि शान्ति बहनजी कैसी दिखती हैं अब? दिखने शब्द से उसे अपने पर ही हंसी आ गयी। पचास की तो वह खुद होने को आयी–वह तो उससे दस–बारह साल बड़ी होंगी। इस उम्र में क्या दिखना–हां, मिलना कहे तो बात समझ में आती है।

चौतल्ले की छत पर वह पहुंच गयी, पर उसकी सांस बुरी तरह फूल रही थी। छत पर म्यूजिक लगा हुआ था। घर के बच्चे और शायद उनके दोस्त–यार झूमझाम रहे थे। बीचोंबीच तसले में आग जल रही थी...कोई कुर्सी हो तो बैठ जाए वह। उसे लगा, उसे बुरी तरह से चक्कर आ रहा है। वह बिना किसी की परवाह किये आखिरी सीढ़ी पर ही बैठ गयी। किसी बच्चे ने उसे धम्म से बैठते देख गोलू को कहा होगा, तो गोलू उसके पास आकर पूछ रहा था, ''क्या हुआ, मौसी?''''कुछ नहीं, दो घूंट पानी पिला दे, बेटा!'' पानी पीकर वह अपने को नियन्त्रित कर चुकी थी, हँफनी रुक गयी थी।

आखिर एक सांस में चढ़ने की क्या जरूरत थी उसे? उसने सोचा, वह अब एक अधेड़ महिला है, छोकरी नहीं। जरूर शान्ति बहन जी से मिलने की उत्सुकता थी, जो अपने–आपको भी इस तरह भूल गयी। पूरी तरह से अपने पर काबू पा लेने के बाद उसने गोलू से पूछा, ''शान्ति बहन जी कहाँ हैं?''''वे सब तो नीचे ही हैं, मौसी। शान्ति मौसी को तो आग से बहुत डर लगता है। वह तो ऊपर आयी ही नहीं। आपको नीचे छोड़ आऊँ ?'' गोलू ने पूछा।

''नहीं–नहीं, मैं चली जाऊँगी।'' उसने कहा। दो मिनट वहीं और बैठकर वह नीचे उतरी। ड्राइंग रूम इनका फर्स्ट फ्लोर पर है–दोतल्ले उसे उतरने थे, पर उतरना इतना मुश्किल नहीं, जितना चढ़ना होता है।

ड्राइंग रूम का दरवाजा खुला ही था, पर ड्राइंग रूम में कोई दिखाई नहीं दे रहा था। भीतर जाकर अच्छी तरह से देखने पर कोने में एक महिला बैठी दिखाई दी।

'इन्हें तो कहीं देखा लगता है।' उसे ऐसा लग रहा था–'कहाँ?' और अचानक उसके दिमांग में कौंधा–'अरे, यही तो पिछले रविवार लेखिका संघ की बैठक में 'आइडेंटिटी ऑफ वुमन' पर बोल रही थीं। वह थोड़ी देर से बैठक (गोष्ठी) में पहुंची थी। उनका नाम नहीं सुना था उसने। तो क्या यह शान्ति बहन जी ही हैं?' उसने तो सोचा था, 'कोई गोरी–चिट्टी, मोटी, लटकी हुई काया वाली मुसलमानी बुढ़िया होगी, पर यह तो पतली–दुबली नंफासत में भरी, आत्मलीन, बौध्दिक प्रभाव डालतीं, कमनीय, शान्त–सी महिला हैं...' उन्हें देखते हुए वह वहीं–की–वहीं खड़ी रह गयी। उन्होंने भी उसे वहाँ खड़ी देख लिया था, इसलिए बोलीं–''आइए, आइए! पुष्पा शायद किचन में कुछ काम कर रही है... मैं उसकी मौसेरी बहिन हूं शान्ति।''''शान्ति' सुन शान्ति–सी पड़ गयी उसे, नाम सुनने के लिए उसकी सारी काया ही कर्णमय हो रही थी।''महिला संघ में आप...?'' उसने अधूरा ही वाक्य छोड़ा।

''हां, मैं ही थी।''''पर निमन्त्रण–पत्र में तो आपका नाम...?'' उसे दो नाम याद आ रहे थे–फहमीदा रियाज या तसलीमा नसरीन जैसे।

पर शान्ति बहनजी उसकी जिज्ञासा को भाँप गयी थीं। उन्होंने अत्यन्त सहजता से कहा, ''एस. अहमद–वहां पाकिस्तान में यानी लाहौर में यही हूं न मैं।''''शान्ति बहनजी,'' कहते हुए वह आगे बढ़ी पर उसकी सम्भावना के अनुकूल न तो उन्होंने उसे गले लगाया, न मुसलमानी बुढ़िया की तरह उसे 'मेरी जिंद (जान), मेरी चन्न (चाँदनी)' कहा, बस अपने हाथ में उसका हाथ पकड़ लिया। बहुत देर तक वह ऐसे ही हाथ पकडे बैठी रहीं।

वर्षों पहले, शायद पूर्वजन्म में, ऐसे ही एक दिन वह उसका हाथ पकड़कर उसे थड़े (चबूतरे) से अन्दर ले गयी थीं। गली की सबसे बड़ी हवेली की मालकिन की बेटी थी वह–विधवा का अर्थ न समझते हुए भी हमें यह मालूम था कि वह बाल–विधवा हैं।

सफेद मकराने के पत्थर की ऊँची हवेली थी उनकी, जिसके फर्शों को वह अपने हाथों से चमकाया करती थीं। शायद गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ती थीं। एकदम भक्क सफेद कपड़े पहने, लेस वाला सफेद दुपट्टा सिर पर ओढ़े वह गम्भीर मुद्रा में उनको गली में से निकलते देखती थी...गली के बाहर पर्देवाला ताँगा आता था, जिसमें बैठकर कॉलेज जाते हुए उन्हें हम देखते थे। उनको देखना हमें अच्छा लगता था, पर उनकी हवेली के पास जाते डर लगता था। ताईजी से सारे गलीवाले, जिसे भी जरूरत होती, सुबह लस्सी लेने जाते थे। अकसर लोग अपने बच्चों को ही भेजते थे, पर उसे हमेशा वहाँ जाते संकोच होता था।

आज भी याद है उसे, उस दिन घर पर कोई सब्जी नहीं थी। मां ने उसे उनके घर लस्सी लेने भेजा था, ताकि वह कढ़ी बना ले। डोल लेकर वह हवेली के थड़े की सीढ़ियों पर तो पहुँच गयी थी, पर उसके साथ कोई और नहीं था, जिसके सहारे वह अन्दर चली जाती–पता नहीं, वह कितनी देर वहीं खड़ी रहती कि शान्ति बहनजी ने उसे देख लिया था। उसका हाथ पकड़कर वह उसे अन्दर ले गयी थीं। 'पूरा भरकर डोल लस्सी नहीं चाहिए' कहने के बावजूद उन्होंने उसका डोल भर दिया था। उसे पुष्पा से मिलवाया था–पुष्पा शान्ति बहनजी की मौसी की लड़की थी और गुजरात से छुट्टियाँ बिताने अपनी मां के साथ उनके यहाँ आयी हुई थी। उन्होंने उससे कहा था कि वह रोज हवेली में आकर पुष्पा के साथ खेला करे। पुष्पा को उन्होंने उसके साथ भेज दिया था, ताकि घर लस्सी पहुंचा कर वे दोनों फिर वापस हवेली जा जाएं।

बचपन में दोस्तियों के पक्के होते देर ही कितनी लगती है? हम इकट्ठे गिट्टे खेलते, गेंद खेलते! उनके सुन्दर फर्श पर कोयले से लाइन खींचते हमें डर लगता था।

इसलिए 'शटापू' खेलने हम छत पर चले जाते थे। वहीं पर एक दिन हमने शान्ति बहनजी के 'उसको' देखा था। किताब देने और वापस लेने के बहाने वह घर की दीवारी के 'बन्ने' (छोटी रेलिंगनुमा मुण्डेर) पर आता था। शान्ति बहनजी अकसर हमें माउंटी पर चढ़ा देती थीं। हमें खाने की चीजें देती थीं, कॉपी में 'कीटी काटे' बना लेने के लिए देतीं और कहतीं, 'खेलो, मैं देखूंगी कि तुम में से कौन ज्यादा जीतता है।' वहीं पर खेलते हुए हमने 'उसको' देखा था। वह शान्ति बहनजी का हाथ पकड़े हुए था। शान्ति बहनजी ने हमें देखते हुए देख लिया था, पर उस दिन के बाद उन्होंने हमें ओट में करना या छिपाना भी बन्द कर दिया था। यह हमारी आन्तरिक सूझ–बूझ ही रही होगी कि बिना उनके कहे ही हम समझ गये थे कि 'बन्ने' वाली बात हमें नीचे ताईजी को नहीं बतानी है।उस दिन हम नीचे पहुँचे, तो ताईजी और मौसीजी ने बहुत डाँटा था, ''मोई मरजानियाँ, कहाँ थीं तुम? शानो कहाँ मर गयी! हमने तो उसे तुम्हें ढूंढ़ने के लिए भेजा था, दंगों के दिन हैं, अग्गे लग रही है और ये सिरमुनियाँ ऊपर चली जाती हैं।''फिर ताईजी खुद मुझे मेरे घर पहुँचा कर आयी थीं। वह शायद सन 25 की मई या जून का कोई गर्म दिन था। हमारी बजाजोंवाली गली में हिन्दू–मुस्लिम दंगे में बड़ी जोर की आग लग गयी थी। उस उम्र में हमें डर तो बहुत लगता था, पर भीषण वास्तविकता का अन्दांज हमें नहीं था–हां, इतनी–सी बात याद है कि गुरुद्वारे की मीटिंग में सारे मर्द गये थे और सबने यह फैसला लिया था–इससे पहले कि कुछ और फसाद हो, सब लोग अमृतसर, दिल्ली या जिस–जिसका जहाँ कोई हो, वहाँ चला जाए।

पुष्पा के पिता को तार देकर बुलाया गया था। कौन कहाँ गया, किसी को पता नहीं। ये तो बरसों बाद कॉलेज में उसकी भेंट पुष्पा से हुई थी। उसकी नई–नई नौकरी लगी थी और उसने उत्साह में ऐडमिशन कमेटी में नाम दिया था। वहीं पुष्पा अपनी छोटी बहन का दांखिला करवाने के लिए आयी थी...वहीं उसी से पता चला था–उसके पिताजी ने ताईजी को बहुत समझाया था कि वह इतने भयंकर दंगों में उन मां–बेटी को अकेला छोड़कर नहीं जाएंगे, पर शान्ति बहनजी साथ चलने के लिए राजी ही नहीं हो रही थीं। पिताजी के गुस्सा करने पर ताईजी ने कुछ गहना–गट्टा तथा जरूरी सामान समेटना शुरू किया कि आँखें बचाकर शान्ति बहनजी वहां से ओझल हो गयीं और अचानक हवेली के पिछवाड़े आग लग गयी! पुष्पा के घर के लोग तो यही कहते हैं कि शान्ति ने खुद ही आग लगायी थी। अगर शान्ति कहीं छिपी भी थी, तो ढूंढ़ने पर भी नहीं मिली। आग के बुझने तक खुद राख होने के डर से रोती–धोती शान्ति की मां को जबर्दस्ती वे लेकर चले आये थे। यह तो बहुत अर्से बाद किसी से पता चला था कि शान्ति बहनजी जिन्दा थीं और वहीं सेटल हो गयीथीं।

ड्राइंग रूम के उस कोने में शान्ति बहनजी का हाथ पकड़े जिस धूपछांही यात्रा में वह सफर कर रही थी, पुष्पा ने उसमें ब्रेक लगा दी, ''अरे निन्ना, तू आ गयी। चल, अच्छा हुआ...वर्ना तेरी मुलाकात ही न होती। सुबह चार पचपन की फ्लाईट से जा रही हैं बहनजी...रात तीन बजे घर से निकलेंगी। घर तू फोन कर दे...लौटते हुए तुझे घर छोड़ देंगे...जल्दी से हम खाना खा लेते हैं...फिर तीनों गप्पें मारेंगे...फिर न जाने कब मिलना हो?''ठीक ही तो कह रही थी पुष्पा, लम्बी–चौड़ी भूमिकाओं का वक्त नहीं था–संकोच वाली उम्रें भी बीत गयी थीं। पर मानवीय सहज जिज्ञासाओं पर अभी विजय नहीं पायी थी।

''शान्ति बहनजी, हमने तो आपको उन 'बन्नो', 'मुंडेरों' और आगों के फ्रेम में ही बांध रखा है, अपनी आँखों में अब तक–उस दीवार को लांघने की बात हमें नहीं बताएंगी!'' उसने पूछा

शायद लोहड़ी का माहौल था या तथाकथित अपनों से सुख–दुख बाँटने की अन्तिम–सी घड़ियाँ कि बिना ज्यादा कहलवाये शान्ति बहनजी ने बताना शुरू कर दिया था–

''हमारे पंजाब में एक कहावत है–'किसी नूँ मांह बादी, किसी नूँ नरोये'। यानी सापेक्ष दर्शन की बात है कि किसी को काली माश की दाल वातरोगकारक है और किसी अन्य को स्वादिष्ट रूप में पाचक एवं ग्राह्य! ऐसे ही उन दिनों जो आग मनुष्यता को जला रही थी मेरे लिए दीवाली बनकर आयी। तुम लोग समझती होगी कि अहमद को पाने के लिए मैंने वह आग खुद लगायी होगी–नहीं, ऐसा नहीं हुआ। आग कैसे लगी मुझे भी पता नहीं, पर उसी की उठती लपट को देख मैं मां के पास से उठी थी। पर मैं इस बात से इनकार नहीं करूँगी कि उस आग ने मेरे जीवन में रोशनी का त्योहार ला दिया था। बढ़ती लपटों को देख आग बुझाने के इरादे से सम्भवत: अहमद छत पर आया था–उसे छत पर देख आवेग में बिना आगा–पीछा सोचे बन्ने को टाप मैं उसके पास चली गयी थी और फिर आग को भूल हम कुछ देर अहमद की सीढ़ियों में छिपे रहे थे। जब आस–पास का शोर आना बन्द हो गया तो हम अहमद के घर में थे। उन दिनों हिन्दू घरों की लड़कियों को घर ले आना मुस्लिम घरों में फख्र की बात समझी जाती थी। तुम्हें बताने में मुझे जरा संकोच नहीं कि मैं विधवा की वीरान जिन्दगी जीना नहीं चाहती थी। मेरे घर के लोगों ने तो मुझे आग में जलकर मर गयी समझ लिया होगा और मैं आग की दीवार को लांघ स्वतन्त्र हो गयी थी। हिन्द–पाक विभाजन ने मुझे भी स्वतंत्रता दी–मैं मन और शरीर की रूढ़ियों से मुक्त हो गयी थी। मिथ्या रूढ़ संस्कारों से मैंने मुक्ति पा ली थी। संकोच तुम्हें अपने समाज से होता है–मेरा अपना कहा जाने वाला समाज तो वहाँ से विदा ले चुका था और अब जो मुझे मिला था वह था अहमद के साथ हुए ब्याह से नया वजूद, नया जीवन, नया घर। यूं अहमद का अपनी फुफेरी बहन के साथ ब्याह हो चुका था पर उनमें दूसरा ब्याह कोई असाधारण चींज नहीं...पर अहमद इसके लिए मृत्यु के दिन तक शर्मसार रहे क्योंकि अपनी नंजर में वह मुझे अपने आपको पूरा न देने के अपराध बोध से ग्रस्त रहे–शायद इसी अपराध भाव का ही परिणाम था कि हमारा कोई बच्चा नहीं हुआ। नाम से जरूर मैं शान्ति से शान अहमद हो गयी थी पर मुझे मेरा मुक्त परिवेश देने के लिए अहमद ने अपने परिवारवालों के सहयोग से मुझे गवर्नमेंट कॉलेज हॉस्टल में रखकर बी.ए. और एम. ए. करवाया। अँग्रेजी साहित्य में एम. ए. तो किया ही, साहित्य की अभिरुचि से उर्दू और फारसी साहित्य का अध्ययन और तुलनात्मक धरातल पर शोध किया–वहीं मुझे प्रोफेसरशिप मिल गयी। आज सोचती हूं कि अगर मैं तुम लोगों के साथ आ गयी होती तो शायद किसी बलात्कार जैसी दुर्घटना का शिकार हो हताश, वीरान, विक्षिप्त जिन्दगी जी रही होती–पर वहाँ रहकर मैंने वजूद पाया, स्त्रीत्व की सार्थकता पायी। मेरी नंजर में भारत जैसे देश का कोई मतलब नहीं रहा–केवल मां की याद जरूर आती थी। अभी भी अगर यहाँ के राइटर्स गिल्ड वालों ने न बुलाया होता तो सच कहूंगी कि शायद तुम लोगों से मिलने की भी कोई इच्छा न थी। अभाव आप उनका महसूस करते हैं जिनका लम्बा और गहरा साथ आपने पाया होता है। आपका संसार आपके छोटे–से घर में समाया होता है–यह तो आपकी संवदेनशीलता है जो आपको घर से इतर संसार से जोड़ती है। तुम्हें इसमें विरोधाभास लग सकता है पर मेरे लिए यह जीवन का सबसे बड़ा सच है। बुरा न मानना, मुझे तुम लोगों से मिलकर बहुत खुशी हुई है पर अहमद ने मुझे वजूद दिया, व्यक्तित्व दिया, दिमागी स्वतंत्रता दी–आज अहमद नहीं पर वहाँ अहमद का घर है–वह मेरा घर है और अब मैं वहाँ पहुंचने के लिए बेचैन हो रही हूं।''

शान्ति बहनजी चुप हो गयी थीं। वे तीनों ही चुप थीं। इस चुप्पी को तोड़ा पुष्पाने– ''बहनजी आपको हमारी याद आती हो या न आती हो, हम तो कभी भूले ही नहीं आपको–हमारे तो बचपन की हीरोइन थीं आप। हमें क्या फर्क पड़ता है कि आपका नाम शान्ति मेहरा है या शान अहमद। देखो न, मैं अनपढ़ दो–दो प्रोफेसरों के बीच में सैंडविच बन गयी–आप दोनों तो वहाम और यहाम शान और गरिमा का जीवन बिता रही हो–रह गयी मैं बिचारी।'' हँसते–हँसते पुष्पा कह रही थी–''बाल–बच्चों के कोल्हू और मर्दों की जी–हजूरी में जिन्दगी गला रही हूं। अब देखो न, बिछड़ने का वक्त करीब आ गया–गंवार हूं न, आँखों का रोना भी छिपाना नहीं आता मुझे। आप लोगों के पास बैठकर अपने को खास मान रही थी, मैं भी विशेष हो गयी थी।'' फिर रोने को हँसी में बदलते हुए बोली–''देखो, क्या गर्मागरम चाय आपके लिए लाती हूं–आपको वक्त से भेजना भी है न।''

पुष्पा किचन की तरफ जा रही थी और उन दोनों ने देखा एक साथ कि घड़ी सवा दो बजा रही थी–शान्ति बहनजी ने उसका हाथ एक बार फिर अपने हाथ में ले लिया था।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

इनबिल्ट

अपने दैनिक पूजा–पाठ में या जब कभी मंदिर जाते हो, सामान्यत: याचक बनकर ईश्वर के आगे खड़ा होते हो। कभी धन, कभी स्वास्थ्य, कभी परिवार में सुख–शांति, कभी बच्चों की प्रगति तो कभी..., कभी की सूची लंबी है, बहुत लंबी। लेकिन कभी विचार किया कि दाता ने सारा कुछ, सब कुछ पहले ही दे रखा है। 'जो पिंड में, सोई बिरमांड में।' उससे अलग क्या मांग लोगे? स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ब्रह्मांड की सारी शक्तियाँ पहले से हमारे भीतर हैं। अपनी आँखों को अपने ही हाथों से ढककर हम 'अंधकार, अंधकार' चिल्लाते हैं। कितना गहन पर कितना सरल वक्तव्य है। 'एवरीथिंग इज इनबिल्ट।'...तुम रोज़ मांगते हो, वह रोज़ मुस्कराता है।

एक भोला भंडारी भगवान से रोज़ लॉटरी खुलवाने की गुहार लगाता था। एक दिन भगवान ने स्वप्न में दर्शन देकर कहा, 'बावरे! पहले लॉटरी का टिकट तो खरीद।'

तुम्हारा कर्म, तुम्हारा परिश्रम, तुम्हारा टिकट है। ये लॉटरी नहीं जो किसी को लगे, किसी को न लगे। इसमें परिणाम मिलना निश्चित है। हाँ, परिणाम कभी जल्दी, कभी कुछ देर से आ सकता है।

उपदेशक से समस्या का समाधान पाने के लिए उसके पीछे या उसके बताए मार्ग पर चलना होता है। उपदेशक के पास समस्या का सर्वसाधारण हल है। राजा और रंक के लिए, कुटिल और संत के लिए, बुद्धिमान और नादान के लिए, मरियल और पहलवान के लिए एक ही हल है।

समुपदेशक की स्थिति भिन्न है। समुपदेशक तुम्हारी आंतरिक प्रेरणा को जाग्रत करता है। यह प्रेरणा बताती है कि अपनी समस्या का हल तलाशने का सामर्थ्य तुम्हारे भीतर है। तुम्हें अपने तरीके से अपना प्रमेय हल करना है। प्रमेय भले एक हो, हल करने का तरीका प्रत्येक की अपनी दैहिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है।

समुपदेशक तुम्हारे इनबिल्ट को एक्टिवेट करने में सहायता करता है। ईश्वर से मत कहो कि मुझे फलां दे। कहो कि हे प्रभो, फलां हासिल करने की मेरी शक्ति को जाग्रत करने में सहायक हो। जिसने ईश्वर को समुपदेशक बना लिया, उसने भीतर के ब्रह्म को जगा लिया....और ब्रह्मांड में ब्रह्म से बड़ा क्या है?

बोध कथा

परियाँ बनी तितलियाँ

एक बार की बात है। परिस्तान की सात सुंदर परियाँ धरती की सैर पर निकलीं। परिस्तान एक ऐसा स्थान है जहाँ केवल परियाँ, जादू और खुशियाँ ही रहती हैं। वहाँ न दुख होता है, न रोना, न शोर। लेकिन धरती की सुंदरता की बातें परियाँ अक्सर सुना करती थीं। इस बार उन्होंने सोचा, चलो धरती की सैर करें! वे सातों परियाँ धरती पर उतर आईं। जैसे ही उन्होंने धरती को देखा, वे हैरान रह गईं। चारों तरफ हरियाली थी। बड़े–बड़े पेड़, रंग–बिरंगे फूलों से सजे बाग, कल–कल करते झरने, नीला आसमान, पहाड़ों की चोटियाँ, और खुले खेतों में लहराते सोने जैसे गेहूँ धरती सचमुच बहुत सुंदर थी! जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते–फाँदते इधर–उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे–धीरे उड़ रहे थे।

परियों को सबसे ज़्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग–बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया। परियों ने एक जादू किया और खुद को तितलियों में बदल लिया। अब वे भी रंग–बिरंगी पंखों वाली तितलियाँ बन चुकी थीं कोई नीली, कोई लाल, कोई पीली, कोई हरी! वे फूलों पर बैठतीं, फिर उड़ जातीं, कभी गुनगुनातीं, कभी झूले जैसी पत्तियों पर झूल जातीं। हर दिन वे उस बगीचे में आकर तितलियाँ बन जातीं और खेलती रहतीं। यह उनका रोज़ का काम बन गया था धरती पर आओ, तितली बनो, खेलो और गुनगुनाओ।

एक दिन की बात है। बगीचे में एक छोटा सा बच्चा आया, जिसका नाम हरजोध था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु बच्चा था। वह फूलों के बीच खेल रहा था, तभी उसकी नजर एक खास तितली पर पड़ी। यह वही तितली थी, जो असल में परी थी सबसे सुंदर, सबसे चमकीले पंखों वाली! हरजोध ने बिना सोचे समझे झट से उसे पकड़ लिया। तितली–परी को बहुत डर लगा। वह सोचने लगी, अगर हरजोध ने मुझे कभी नहीं छोड़ा, तो मैं परियों के देश कैसे लौट पाऊँगी? पर वो कुछ कह नहीं सकती थी वो तो अभी तितली के रूप में थी। लेकिन हरजोध को ऐसा लगा जैसे तितली कुछ कह रही हो, जैसे उसकी आँखों में एक खास बात हो। उसने तितली को ध्यान से देखा और बोला, क्या तुम आज़ाद होना चाहती हो? तितली ने पंख धीरे से फड़फड़ाए, जैसे हाँ कह रही हो। हरजोध को समझ आ गया कि इस सुंदर तितली को उड़ना पसंद है। वह मुस्कराया और बोला, जा तितली, उड़ जा। तुम्हें आज़ाद रहना चाहिए। जैसे ही उसने तितली को छोड़ा, तितली फौरन उड़ गई, पर थोड़ी देर बाद उसने हवा में एक गोल चमकदार गोला बनाया, जो धीरे–धीरे आसमान में गायब हो गया।

उसी रात हरजोध को एक बहुत ही सुंदर सपना आया। उसके सामने वही तितली आई, लेकिन अब वह तितली नहीं, एक परी बन चुकी थी! उसके लंबे बाल, चमकदार पंख और मुस्कराता चेहरा देखकर हरजोध बहुत खुश हुआ। परी ने मुस्कराकर कहा, हरजोध, तुमने मुझे आज़ाद किया, इसलिए मैं तुम्हें एक खास तोहफा देने आई हूँ। पलक झपकते ही परी ने अपने जादू से हरजोध को हवा में उड़ाया, और वे दोनों एक चमकदार रास्ते पर उड़ते हुए परियों की दुनिया परिस्तान पहुँच गए। वहाँ सब कुछ चमक रहा था। रंग–बिरंगे फूल, झीलों का मीठा पानी, और चारों ओर उड़ती परियाँ। परी ने हरजोध को वहाँ के फल खाने को दिए जैसे मीठे आम, रस भरे अनानास, और जादुई सेब, जिनका स्वाद उसने पहले कभी नहीं चखा था। फिर परी ने एक प्याले में दूध दिया, जो बिल्कुल सफेद और झिलमिलाता था। हरजोध ने जैसे ही एक घूंट पिया, उसे लगा जैसे वह उड़ने लगा हो वो दूध सचमुच अमृत जैसा था। हरजोध वहाँ बहुत देर तक खेला, नाचा, गाया और परियों से दोस्ती की। फिर परी ने कहा, अब तुम्हें वापस जाना होगा, लेकिन याद रखना, जब भी तुम किसी को आज़ाद करोगे, किसी की मदद करोगे, हम परियाँ तुम्हारे साथ होंगी।

वीर गाथा

नायक देवेंद्र प्रताप सिंह : गोलीबारी के बीच अडिग रहकर दो आतंकवादियों को किया ढेर

नायक देवेंद्र प्रताप सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के नेवादा गांव में हुआ था। माता उर्मिला देवी और पिता इंद्र बहादुर सिंह के बेटे देवेंद्र राष्ट्रीय राइफल्स की 55वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं। वे जनवरी 2022 में जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले में तैनात थे। 29 जनवरी की दोपहर को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि एक गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। उनकी घेराबंदी और खात्मा करने के लिए टीम बनाई गई, जिसमें देवेंद्र को भी शामिल किया गया।

अभी सेना के जवान तलाशी अभियान चला ही रहे थे कि आधुनिक असॉल्ट राइफलों से लैस चार आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। नायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बिना एक क्षण गंवाए तुरंत जवाब दिया। इससे आतंकवादियों के कदम वहीं रुक गए।

दोनों ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी। उस समय देवेंद्र रेंगते हुए आगे बढ़े और उस ठिकाने तक पहुंच गए, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। देवेंद्र की उन पर कड़ी नजर थी। आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। वे ग्रेनेड फेंकते हुए बाहर निकले। उनका सामना देवेंद्र से हो गया।

नायक देवेंद्र प्रताप सिंह ने तुरंत गोली चलाई और एक आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया। इस बीच दूसरा आतंकवादी रास्ता बदलकर भागने की कोशिश कर रहा था। देवेंद्र ने उसे भी निशाने पर लिया। कुछ समय बाद उसे धराशायी कर दिया। मारे गए दोनों शख्स क्रमश: 'ए प्लस प्लस' और 'सी' श्रेणी के खतरनाक आतंकवादी थे। देवेंद्र ने अपने कर्तव्य पथ पर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए दो आतंकवादियों का खात्मा किया। देश को ऐसे योद्धाओं पर गर्व है। नायक देवेंद्र प्रताप सिंह को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व कप में 64 टीमें होने से भारत के लिए मौके बढ़ेंगे, लेकिन क्वालीफिकेशन की गारंटी नहीं : भूटिया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया का मानना है कि फीफा अगर पुरुष फुटबॉल विश्व कप में टीमों की संख्या 48 से बढ़ाकर 64 कर देता है तो भारत के लिए विश्व कप में जगह बनाने की संभावना बढ़ जाएगी। उन्होंने हालांकि इस बात पर चिंता जताई कि इससे टूर्नामेंट की गुणवत्ता और रोमांच प्रभावित हो सकता है। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल महासंघ (कॉनमेबोल) ने अप्रैल 2025 में 2030 विश्व कप में 64 टीमों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा है कि मौजूदा विश्व कप के बाद इस प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। रविवार को न्यूयॉर्क में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच फाइनल खेला जाएगा।

अगले विश्व कप (2030) की मेजबानी मुख्य रूप से स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को करेंगे जबकि टूर्नामेंट के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुरुआती तीन मुकाबले अर्जेंटीना, उरुग्वे और पराग्वे में खेले जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित हुआ था। भूटिया ने पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा, ''भारतीय फुटबॉल प्रशंसक के नजरिए से देखें तो ज्यादा टीमों का शामिल होना स्वागतयोग्य कदम है। मैं यह नहीं कह रहा कि भारत निश्चित रूप से क्वालिफाई करेगा, लेकिन 48 की जगह 64 टीमें होने पर भारत के पास विश्व कप में जगह बनाने का बेहतर मौका होगा।'' उन्होंने कहा, ''टीमों की संख्या बढ़ने के बावजूद भारत को विश्व कप के सपने को पूरा करने के लिए अपनी फुटबॉल व्यवस्था, ढांचा और जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के विकास पर लगातार काम करना होगा। अधिक से अधिक बच्चों को फुटबॉल से जोड़ना होगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत को पहले अंडर-17 और अंडर-20 विश्व कप के लिए नियमित रूप से क्वालिफाई करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसके बाद ही सीनियर टीम विश्व कप में पहुंचने की वास्तविक उम्मीद कर सकती है। उज्बेकिस्तान और मोरक्को जैसे छोटे देश इसी मॉडल पर आगे बढ़े हैं और लगातार आयु वर्ग के विश्व कप में जगह बना रहे हैं।''

उन्होंने हालांकि यह भी कहा, ''वैश्विक फुटबॉल और विश्व कप के रोमांच के लिहाज से 64 टीमों का टूर्नामेंट खेल की गुणवत्ता को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा।'' भूटिया का मानना है कि भारतीय महिला फुटबॉल टीम पुरुष टीम की तुलना में विश्व कप के लिए पहले क्वालीफाई कर सकती है। 2031 महिला विश्व कप में टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 की जाएगी। भारत की महिला टीम फिलहाल एशिया में 13वें और दुनिया में 69वें स्थान पर है, जबकि पुरुष टीम एशिया में 26वें और विश्व में 138वें स्थान पर है। भूटिया ने कहा, भारतीय महिला टीम के पास पुरुष टीम से बेहतर मौका है, लेकिन इसके लिए महिला फुटबॉल में निवेश और रुचि बढ़ानी होगी। इंडियन विमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल)' में अधिक टीमें हों, अलग-अलग आयु वर्ग की लीग शुरू हों और जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर फुटबॉल कार्यक्रम चलाए जाएं। भूटिया ने इसके साथ ही भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों (ओसीआई और पीआईओ) को राष्ट्रीय टीम में शामिल करने के विचार का भी समर्थन किया।

सोबर्स ने क्रिकेट की तस्वीर बदल दी, हम सभी के प्रेरणास्रोत थे : कपिल देव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा/भाषा। भारत को 1983 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान कपिल देव ने वेस्टइंडीज के महान हरफनमौला सर गारफील्ड सोबर्स को क्रिकेट को नया आयाम देने वाला खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि उन्होंने खेल के प्रति खिलाड़ियों की सोच और खेलने का तरीका ही बदल दिया।

सोबर्स का 89 साल की उम्र में शुक्रवार को बारबाडोस स्थित उनके घर पर निधन हो गया। अपने शानदार करियर में उन्होंने 93 टेस्ट मैचों में 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 235 विकेट भी अपने नाम किए। कपिल ने यहां केडीएसजी (कपिल देव-संजय गुप्ता) अस्पताल में पीटीआई से कहा, जो भी क्रिकेट को जानता है, वह गैरी सोबर्स को जरूर जानता होगा। वह इस खेल के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक थे।

उन्होंने कहा, ''उन्होंने जिस अंदाज में क्रिकेट खेला, उसने हम जैसे खिलाड़ियों को प्रेरित किया। उनका जाना बेहद दुखद है, लेकिन वह हमें अपनी प्रतिभा, खेल और विरासत के रूप में बहुत कुछ देकर गए हैं, जिससे हम जीवनभर सीखते रहेंगे।'' कपिल देव ने कहा कि सोबर्स की असाधारण प्रतिभा और खेल के प्रति उनका जुनून ही उन्हें महान बनाता था। उन्होंने कहा, उनकी प्रतिभा, खेल का आनंद लेने का तरीका और खेलने की शैली उन्हें सबसे अलग बनाती थी। उस दौर में वेस्टइंडीज की टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में थी, लेकिन सोबर्स ने रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ लोगों की यह सोच भी बदल दी कि क्रिकेट कैसे खेला जाए और उसका लुत्फ कैसे उठाया जाये।

इस 67 साल के पूर्व खिलाड़ी ने बताया कि सोबर्स ने पारंपरिक क्रिकेट कोचिंग की सोच भी बदल दी। उन्होंने कहा, ''मुझे सबसे ज्यादा यही बात याद है कि उन्होंने एमसीसी (मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब) की पारंपरिक कोचिंग पद्धति को बदल दिया। उस समय बल्लेबाजों को 'वी' (सीधे बल्ले से लांग ऑफ से लांग ऑन की दिशा में) में खेलने की सलाह दी जाती थी, लेकिन सोबर्स ने दिखाया कि इसके बाहर भी रन बनाए जा सकते हैं। यह बात बचपन से मेरे मन में बस गई थी।''

खुद शानदार हरफनमौला रहे कपिल ने कहा कि ऑलराउंडर के रूप में सोबर्स का कोई मुकाबला नहीं था। उन्होंने कहा, ''ऑलराउंडर तो और भी हुए हैं, लेकिन उनके स्तर का कोई नहीं। बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी, स्पिन गेंदबाजी, कमाल का क्षेत्ररक्षण हर क्षेत्र में उनका कोई सानी नहीं था। सबसे बड़ी बात यह थी कि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना जानते थे। क्रिकेटर तो बहुत आते हैं, लेकिन असली मनोरंजन करने वाले बहुत कम होते हैं।''

उन्होंने कहा, ''वह शानदार क्रिकेटर थे। उनका जाना क्रिकेट जगत के लिए बड़ी क्षति है, लेकिन उनके खेलने के तरीके से हर खिलाड़ी सीख ले सकता है। उन्हें मेरा सलाम। उन्होंने जिंदगी को हमेशा खुलकर जिया।'' कपिल ने सोबर्स के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, ''शाम को वह बैठकर बातें किया करते थे और हम सभी उन्हें बड़े ध्यान से सुनते थे। दिलचस्प बात यह थी कि वह क्रिकेट से ज्यादा जिंदगी के दूसरे पहलुओं पर बातें करते थे।''

दर्शन

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में स्थित मां विंध्यवासिनी धाम में दर्शन के लिए पहुंचीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

'हिरण को बहुत नजदीक से गोली मारी गई थी', 'काला हिरण- द बैटल फॉर लेगेसी' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विवादों के बीच फिल्म 'काला हिरण- द बैटल फॉर लेगेसी' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें शुरुआत से लेकर आखिर तक कोर्टरूम ड्रामा देखने को मिलता है। करीब 1 मिनट 56 सेकंड के इस टीजर में शिकार मामले, गवाहों के बयान, पुलिस जांच और अदालत में चल रही बहस को दिखाया गया है। बता दें कि फिल्म में अभिनेता काशिफ इकबाल खान ने अयान खान का किरदार निभाया है, जिसे बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से प्रेरित बताया जा रहा है। फिल्म को लेकर आरोप है कि यह सलमान खान से जुड़े साल 1998 के काला हिरण शिकार मामले और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई विवाद पर आधारित है, लेकिन मेकर्स ने साफ तौर पर इससे इंकार किया है। टीजर की शुरुआत अभिनेता गोविंद नामदेव की आवाज से होती है, जो फिल्म में बिश्नोई समाज के वकील के किरदार में नजर आ रहे हैं। कोर्ट में सुनवाई के दौरान वह एक गवाह को पेश करते हैं और उससे पूछते है- 'उस दिन आपने क्या देखा, बिना डर के अदालत को बताइए।' गवाह अदालत में बयान देते हुए कहता है- 'रात के करीब 11 बज रहे थे, तभी एक के बाद एक दो गोलियों के चलने की आवाज सुनाई दी। हम समझ गए कि कोई हिरण का शिकार कर रहा है।'

टीजर में एक अन्य गवाह भी नजर आता है, जो कहता है कि यह सिर्फ हिरण पर गोली चलाने की बात नहीं थी, बल्कि उनके गुरु जमेश्वर के बताए सिद्धांतों पर हमला था। इसके दौरान जंगल की रात, जिप्सी में शिकार के लिए जाते किरदार, गोली चलने और गांव वालों के विरोध जैसे कई सीन्स दिखाए गए हैं। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है, कहानी में सस्पेंस बढ़ता हुआ दिखाई देता है। कोर्ट में गोविंद नामदेव का किरदार पुलिस अधिकारियों से सवाल करता नजर आता है। वह एक पुलिस अधिकारी से पूछता है कि क्या किसी सुपरस्टार को बचाने के लिए ऊपर से दबाव बनाया गया था।

कोलकाता के दक्षिणेश्वर मंदिर में काजोल ने टेका माथा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काजोल ने शुक्रवार को कोलकाता के मशहूर दक्षिणेश्वर काली मंदिर जाकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। अभिनेत्री ने कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर में जाकर माता रानी की पूजा-अर्चना की। मंदिर में उन्होंने रेड को-ऑर्ड सेट में कैज़ुअल लुक अपनाया, जिसे उन्होंने ब्लैक सनग्लासेस के साथ पेयर किया था। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में अभिनेत्री काजोल को पुलिस अधिकारियों और अपनी टीम के साथ मंदिर में प्रवेश करते देखा जा सकता है।

वह अपने हाथों में पूजा का सामान लिए हुए भी दिखीं। अभिनेत्री काजोल मां काली बहुत बड़ी भक्त हैं और उनकी इस गहरी आस्था को अक्सर उनके बयानों और आध्यात्मिक यात्राओं में देखा गया है। अपनी पौराणिक हॉरर फिल्म 'मां' की शूटिंग और प्रचार के दौरान उनकी मां काली के प्रति भक्ति और भी मुखर रही है। फिल्म 'मां' की रिलीज से पहले, काजोल ने कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर काली मंदिर में जाकर देवी का आशीर्वाद लिया था। इसके बाद 2024 में भी वह मां तनुजा और बेटे युग के साथ कोलकाता के दक्षिणेश्वर काली मंदिर गईं थीं।

कोलकाता से कुछ ही दूरी पर गंगा नदी के पूर्वी तट पर स्थित मां काली को समर्पित दक्षिणेश्वर काली मंदिर न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि बंगाल की संस्कृति और स्थापत्य कला का भी प्रतीक है। 1855 में परोपकारी रानी रासमणि द्वारा बनवाया गया यह मंदिर मां काली के 'भवतारिणी' रूप को समर्पित है। यह वही स्थान है जहां महान संत रामकृष्ण परमहंस ने अपनी साधना की थी।अभिनेत्री काजोल की बात करें, तो वे पिछली बार फिल्म 'मां' में नजर आईं थी। विशाल फुरिया के डायरेक्शन में बनी इस माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा हैं।

फिल्म एक मां और उसकी बेटी की कहानी है, जो अपने गुजर चुके पति की रहस्यमयी मौत के बाद उनके पुश्तैनी गांव जाती हैं। हालांकि, उनकी यात्रा एक डरावना मोड़ ले लेती है जब उन्हें एक शैतानी श्राप का पता चलता है जो उनकी जान को खतरे में डालता है और उन्हें अतीत के एक काले, डरावने राज का सामना करने के लिए मजबूर करता है।

जैकलीन फर्नांडिस का एआई अवतार लॉन्च

मुंबई/एजेन्सी

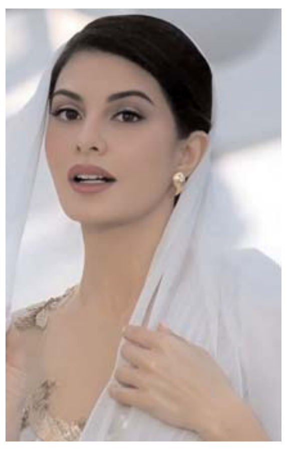

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस अब एक नए डिजिटल अंदाज में अपने फैंस से जुड़ने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने अपना एआई आधारित डिजिटल अवतार लॉन्च किया है, जिसके जरिए अब प्रशंसक उनकी जिंदगी से जुड़े कई अनसुने किस्सों को भी करीब से जान सकेंगे। जैकलीन का कहना है कि यह सिर्फ तकनीक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि लोगों से एक अलग स्तर पर जुड़ने की नई शुरुआत है।

जैकलीन फर्नांडिस का यह एआई अवतार उनकी पर्सनैलिटी का डिजिटल विस्तार माना जा रहा है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि लोग इंटरैक्टिव तरीके से अभिनेत्री के विचारों, अनुभवों और पसंदीदा चीजों को जान सकें। अपने एआई अवतार को लेकर जैकलीन ने कहा, ''मुझे हमेशा उन चीजों को लोगों के साथ साझा करना पसंद रहा है, जो मुझे प्रेरित करती हैं। चाहे वह कोई किताब हो, कोई बातचीत, जिंदगी से सीखा गया कोई सबक या फिर कोई ऐसा विचार जो लंबे समय तक मेरे साथ रहा हो। यह एआई अवतार मुझे ऐसा करने का बिल्कुल नया तरीका देता है। इसके जरिए मैं लोगों से कहानियों, विचारों और अनुभवों के माध्यम से जुड़ सकती हूं।''

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी खासियत इसका 'जैकलीन बुक क्लब' होगा। इसके जरिए वह समय-समय पर उन किताबों के बारे में बताएंगी, जिन्होंने उनकी सोच को नया नजरिया दिया, उनकी रचनात्मकता को बढ़ाया और उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। बुक क्लब के जरिए जैकलीन अपने अनुभव, विचार और चर्चाएं भी साझा करेंगी।एआई अवतार को इस तरह तैयार किया गया है कि वह जैकलीन के व्यक्तित्व और भावनात्मक पहलू को भी सामने लाए।

इसमें उनकी '2 एएम थोट्स' यानी देर रात मन में आने वाले विचार और जिंदगी के अलग-अलग दौर से जुड़ी यादें भी शामिल होंगी।इस एआई अवतार को कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के एआई स्टूडियो गैलरी5 ने विकसित किया है।

इसे इंटरैक्टिव फॉर्मेट में डिजाइन किया गया है, ताकि फैंस जैकलीन की सोच, अनुभवों और पसंदीदा चीजों से पहले से कहीं ज्यादा करीब से जुड़ सकें। जैकलीन का यह एआई अवतार विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगा। इसमें समय-समय पर नया कंटेंट, नई बातचीत और बुक क्लब से जुड़ी नई चीजें जोड़ी जाती रहेंगी।

'गजरा' में सच्ची घटना पर आधारित किरदार निभाएंगी अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

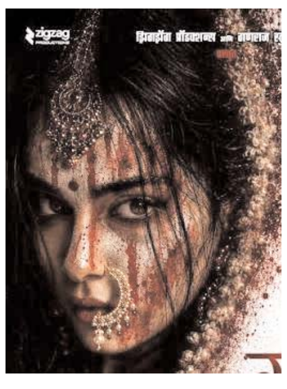

हिंदी, तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्मों में दमदार पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों अपनी नई मराठी फिल्म 'गजरा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस पर अदा का कहना है कि जब किसी वास्तविक घटना को बड़े पर्दे पर उतारा जाता है, तो कलाकार और फिल्म निर्माता दोनों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। ऐसी कहानियों का उद्देश्य उन लोगों के दर्द और संघर्ष को लोगों तक पहुंचाना होता है। आईएएनएस से बातचीत के दौरान अदा शर्मा ने सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों को लेकर अपनी राय खुलकर साझा की। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के वास्तविक अनुभव या दर्द को पर्दे पर दिखाया जाता है, तो उस कहानी के साथ संवेदनशीलता बरतना बेहद जरूरी होता है। दर्शकों पर असर डालने के लिए किसी की पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना सही तरीका नहीं है। अदा ने कहा, ''जब आप वास्तविक घटनाओं से जुड़ी कोई कहानी बताते हैं, तो उसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। हमारा मकसद लोगों को चौंकाना नहीं होता, बल्कि उन्हें यह समझाना होता है कि कहानी के किरदार किन परिस्थितियों और भावनाओं से गुजर रहे हैं। अगर दर्शक किसी किरदार के दर्द और भावनाओं को महसूस कर पाते हैं, तभी ऐसी कहानी अपने उद्देश्य में सफल मानी जा सकती है।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर हम किसी और की जिंदगी में कुछ समय के लिए मेहमान बनते हैं। इसलिए हमारी कोशिश रहती है कि उस व्यक्ति की भावनाओं और अनुभवों को जितना हो सके, उतनी ईमानदारी और सच्चाई के साथ पर्दे पर पेश करें।''

अदा शर्मा ने कहा, ''कई बार वास्तविक जिंदगी में होने वाली घटनाएं फिल्मों से भी ज्यादा नाटकीय होती हैं। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्मों में कहानी को प्रभावशाली बनाने के लिए बहुत कुछ जोड़ा जाता है, लेकिन सच्ची घटनियों पर आधारित फिल्मों में कई बार ठीक इसका उल्टा करना पड़ता है।''

बता दें कि 'गजरा' फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। फिल्म की कहानी और विषय को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। निर्माताओं के अनुसार, 'गजरा' साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हर भाषा की फिल्म करो : अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

साउथ और बॉलीवुड सिनेमा में अपने अभिनय का जादू बिखेरने के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म 'गजरा' से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने एक खास सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अपने पिता द्वारा दी गई खास सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। अभिनेत्री ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन 'एस/ओ सत्यमूर्ति' (2015) और 'क्षनम' (2016) जैसी सफल फिल्मों से साउथ सिनेमा में सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम स्थापित किया।

जब अभिनेत्री से आईएएनएस ने पूछा कि अगर 'गजरा' सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने कहा कि वे अपने आप को पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं। उन्होंने कहा, 'द केरला स्टोरी' एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म 'कमांडो' में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं। मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं और यह 2027 में रिलीज होगी। 'गजरा' का निर्माण 'अमोल बोरकर' द्वारा किया जा रहा है और इसके संगीतकार देवदत्त मनीषा बाजी हैं।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत : शहनाज गिल

मुंबई/एजेन्सी

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। जब आईएएनएस ने शहनाज से पूछा कि क्या दूरी प्यार को मजबूत बनाती है या धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देती है, तो इस पर उन्होंने कहा, ''जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हां आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है।'' शहनाज ने आगे कहा, ''रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।''फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची कहानी पर

आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।इंटरव्यू में आईएएनएस ने शहनाज से पूछा कि आज के दौर में जहां लोग डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए अपने लिए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे समय में क्या निम्मा और नसीमा जैसा प्यार संभव है? इस सवाल पर शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।'' बता दें कि 'इश्कनामा' का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है।

यह फिल्म किताब 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। 'इश्कनामा' भारत के साथ-साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

जीतो नॉर्थ लेडीज़ विंग द्वारा 'क्रिएटिव प्रेन्योर-हॉबी टू बिज़नेस' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ लेडीज़ विंग द्वारा सक्षम वर्टिकल के अंतर्गत क्रिएटिवप्रेन्योर–हॉबी टू बिज़नेस विषय पर शेषाद्रिपुरम के हॉबी घर में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने कार्यक्रम की जानकारी दी। अपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी ने महिलाओं को अपनी क्षमताओं को निरंतर निखारने, स्वयं के लिए समय निकालने तथा रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आत्मविकास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की संयोजिका कला लूणावत ने हॉबी घर के बारे में बताया। हॉबी घर की संस्थापक कृतिका बोहरा ने बताया कि भारत के प्रथम हॉबी–टेक प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित हॉबी घर रचनात्मक गतिविधियों, इंटरेक्टिव सत्रों, खेलों एवं नेटवर्किंग के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को एक अनूठा और पुनर्जीवित करने वाला अनुभव प्रदान करता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को चार समूहों में विभाजित कर मग पेंटिंग, कैप पेंटिंग, पॉट पेंटिंग एवं ट्रे पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ कराई गईं। कार्यक्रम में 125 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

अनुशासनहीनता सबसे बड़ा अधर्म और पाप है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु//दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने अग्रहारा स्थित तेरापंथ भवन के अपने प्रवचन में कहा कि विश्व के सभी धर्म और महापुरुषों ने अनुशासन को धर्म की रीढ की हड्डी के समान बताया है। इसके अभाव में किए गए आराधना, उपासना तपस्या, दान और तीर्थ कर्म बंधन का कारण बनता है। मुनि ने कहा कि गाड़ी में ब्रेक का बड़ा महत्व होता है। बिना ब्रेक की गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो जाती है। गाड़ी में सवार लोगों की जान खतरे में पड़ जाती है। ब्रेक जितना ही महत्वकारी है, उतना ही जीवन में अनुशासन का महत्व है।

मुनिश्री ने कहा कि अनुशासन का पालनकर्ता साक्षात परमात्मा का दूसरा रूप होता है। उसके बिना हमारे विकास की कल्पना करना ही व्यर्थ है।

वह जितना प्रशिक्षित और प्रतिभावान होगा उतना ही हमारे में निखार ज्यादा होगा। जो अनुशासन को हितकारी, कल्याणकारी, मितकारी मानता है, उसको उपकारी मानता है, उस आत्मा का कल्याण होता है। संत ने अंत में कहा कि जितना कठोर अनुशासन होगा, उतना ही व्यक्ति का निर्माण अच्छा होगा और उज्ज्वल भविष्य बनेगा। अनुशासनहीनता सबसे बड़ा अधर्म और पाप है। उसके विचारों का पतन कोई नहीं रोक सकता। उसके शरीर पर बीमारियां डेरा डाल देगी, चरित्र का विनाश हो जाएगा।

कितनहल्ली में शिवालय का होगा भव्य निर्माण

मेहता परिवार ने किया भूमिदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां मागड़ी रोड स्थित कितनहल्ली के जनप्रिय अपार्टमेंट के समीप लक्ष्मी औरा लेआउट में कोशीथल निवासी बेंगलूरु के सुरेश कुमार एवं रानी देवी, सावन कुमार, गौतम कुमार एवं महावीर कुमार मेहता (लक्ष्मी चैन) द्वारा मंदिर निर्माण के लिए 11000 वर्गफुट की भूमि समर्पित की गई। इस परिसर में शिवलिंग की स्थापना के साथ एक भव्य मंदिर बनाया जाएगा।ङ्ङइस अवसर पर विधि–विधान से भूमि पूजन का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के पंडित राजेन्द्र कुमार शर्मा 'भीम' ने बताया कि आगामी श्रावण मास के चलते नेपाल से लगभग 11 लाख रुद्राक्ष मंगवाए गए हैं।

इन रुद्राक्षों का काशी से आए विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सिद्धिकरण किया जाएगा। श्रावण मास में होने वाले उत्सव के दौरान दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को इन्हें प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाएगा। शनिवार को भूमि पूजन समारोह में राजेंद्र कुमार शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। धार्मिक श्रद्धा एवं जनकल्याण की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में बडी संख्या में श्रद्धालओं ने भाग लिया तथा मंदिर निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की मंगलकामना की।

दक्षिण कन्नड़ में सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री प्रसारित करने के आरोप में तीन मामले दर्ज

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले में एक आपराधिक मामले के आरोपी से संबंधित कथित तौर पर झूठी और भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने के आरोप में कई सोशल मीडिया अकाउंट और व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफ तीन अलग–अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई बंटवाल टाउन थाने में दर्ज एक मामले के आरोपी से संबंधित संपादित तस्वीरों और भ्रामक पोस्ट के प्रसार के बाद की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की एक संपादित तस्वीर एक इंस्टाग्राम अकाउंट और कई व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रसारित की गई। इस तस्वीर में आरोपी को भगवा शॉल ओढ़े और तिलक लगाए हुए दिखाया गया था तथा उसे बजरंग दल के कार्यकर्ता के रूप में पेश किया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया कि तस्वीर के साथ ऐसे संदेश भी साझा किए गए, जो सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकते थे। पुलिस ने बताया कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट और व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत पहला मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने अलग–अलग मामलों में कथित तौर पर झूठी और भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के आरोप में 'शैलजा अमरनाथ' नाम के फेसबुक अकाउंट और आरोपी को कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में दर्शाने वाली संपादित तस्वीर साझा करने के आरोप में 'चेतन बेलचडा' नाम के एक अन्य अकाउंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि तीनों प्राथमिकी दर्ज कर ली गई हैं और मामले की जांच जारी है।

'शुभ-अशुभ भाव के कारण जीव सुखी या दुखी होता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय शूले स्थित केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में विराजित जय गच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डा. पदमचंद्रजी की निश्रा में पुरंदर मुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि द्रव्य, क्षेत्र, काल तो मनुष्य के जीवन में निमित्त रूप से काम करते ही हैं। भाव, भव और हेतु भी निमित्त बनते हैं। शुभ और अशुभ भावों के कारण जीव सुखी या दुखी होता है। धुरंधर मुनिजी ने कहा कि दुख का सबसे बड़ा कारण, सत्य या असत्य की कल्पना होता है। इस कारण मनुष्य नए नए कर्मों को बांधता है। ज्ञाता–दृष्टा और साक्षी भाव से जीव सुखी हो सकता है।

बसवनगुड़ी में आज होगा साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री का मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विहार कर आ रहीं साध्वीश्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने खतरगच्छ संघ से जुड़े परिवार में संपन्न हुए पावन विहार ने संपूर्ण श्रद्धालु समाज को धर्म, संयम एवं साधना का अनुपम संदेश प्रदान किया। साध्वीजी ने कहा कि हम उन सभी संघों एवं संस्थाओं के प्रति भी विनम्र आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने विभिन्न स्थानों पर गुरु भगवंतों की भक्तिभाव से सेवा, आतिथ्य एवं व्यवस्था का उत्तरदायित्व निभाया।

साध्वीश्री ने खरतरगच्छ युवा व दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी सभी संस्थाओं के सदस्यों की सेवाओं को सराहा। साध्वीश्री का चातुर्मास मंगल प्रवेश 19 जुलाई को प्रातः 9 बजे सम्पन्न होगा। संघ के पदाधिकारियों ने सभी गुरुभक्तों से प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है ।

आचार्य दिव्येशचंद्र सागरसूरी का चातुर्मास प्रवेश आज

हुब्बली/दक्षिण भारत। जैन मरुधर संघ हुब्बल्ली के तत्वावधान में आचार्यश्री दिव्येशचंद्र सागरसूरीश्वरजी का चातुर्मास प्रवेश रविवार को प्रातः 8 बजे होगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि चातुर्मास प्रवेश के उपलक्ष्य में शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। चातुर्मास प्रवेश के पश्चात प्रातः 9:15 बजे मरुधर शांति भवन में मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में आचार्यश्री के मंगल प्रवचन व अन्य कार्यक्रम होंगे। संघ के सदस्यों ने समस्त गुरु भक्तों से चातुर्मास प्रवेश में शामिल होने का निवेदन किया है ।

निःशुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण शिविर में 88 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के समीप स्थित शक्ति देवी करुमारम्मा देवस्थान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्त चाप, मधुमेह जैसे विभिन्न जांच की गई। शिविर में 88 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों द्वारा उपस्थित जनों को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

विप्र क्रिकेट महाकुंभ आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विप्र स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई द्वारा आयोजित टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट (विप्र क्रिकेट कुंभ) का आगाज 19 जुलाई से मेग्ना आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज ग्राउंड में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीम भाग ले रही हैं। टीमों को दो ग्रुप में बांटकर एक दूसरे के साथ मैच खिलवाए जाएंगे।

विप्र स्पोर्ट्स क्लब के चेयरमैन चैनराज सेवग ने बताया कि ग्रुप में आदिगौड समाज टीम, राजपुरोहित समाज की खेतेश्वर टीम, पारीक समाज की टीम, सारस्वत समाज की टीम, रावल ब्राह्मण समाज की टीम व सभी समाज के वरिष्ठ सदस्यों को मिलाकर एक टीम बनाई है। ग्रुप इ में दधिमती दाहिमा समाज टीम, राजपुरोहित समाज टीम, पुष्करणा समाज टीम, खंडेलवाल समाज टीम, शाकदीपीय समाज टीम व श्रीमाली समाज टीम हिस्सा लेंगी।

विप्र स्पोर्ट्स क्लब के शशिकांत शर्मा ने बताया कि ग्रुप के

अंदर प्रत्येक टीम पाँच मैच एक दूसरे से खेलेंगी। दोनों ग्रुप से टॉप चार चार टीम क्वार्टर फ़ाइनल मैच ग्रुप इ ग्रुप से खेलेंगी। क्वार्टर फ़ाइनल की विजेता टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। टूर्नामेंट के दो दिन के मैच 26 जुलाई व 9 अगस्त के मैच वाइट जर्सी ग्राउंड में खेले जाएँगे। बाक़ी सभी मैच मैग्ना ग्राउंड में खेले जाएँगे। क्वार्टर फ़ाइनल मैच 23 अगस्त, सेमी फ़ाइनल मैच 30 अगस्त व फाइनल मैच 6 सितंबर को आयोजित होगा।

टूर्नामेंट को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सुरेंद्र व्यास के नेतृत्व में रैफरी पैनल का गठन किया गया है जिसमें राधेश्याम बिस्सा, गोविन्द तिवारी, भंवरलाल, सुभाष शर्मा, प्रकाश शर्मा, विनोद सेवग, मनोज जोशी व राजू उपाध्याय को मैच रैफरी नियुक्त किया गया है। रविवार को सुबह 6.30 बजे ग्राउंड – पर विद्वान आचार्य प्रहलाद शर्मा व विकास शर्मा द्वारा विधि विधान से पूजा संपन्न करके ही टूर्नामेंट की शुरुआत होगी।

कलियुग में प्रभु का दर्शन ही सबसे बड़ा सौभाग्य : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित श्री संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने शनिवार के प्रवचन में कहा कि कलिकालसर्वज्ञ आचार्य हेमचंद्राचार्य, जिन्होंने साढ़े तीन करोड़ श्लोकों की रचना की तथा अपने प्रभाव से सम्राट अशोक के राज्य में अहिंसा का व्यापक प्रसार कराया, वे अपने स्तोत्रों में कलियुग को भी नमस्कार करते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि आज के कलियुग में जहां पुत्र माता–पिता को वृद्धाश्रम भेज देता है, निर्दोष भ्रूण हत्याएं होती हैं, विवाहेतर संबंध बढ़ रहे हैं, मांसाहार और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, वहां 99 प्रतिशत बुराइयां दिखाई देती हैं। फिर भी इस युग का सबसे बड़ा सौभाग्य यह है कि इसी कलियुग में प्रभु के दर्शन और उनका सान्निध्य प्राप्त होता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। आचार्य देवेश ने कहा कि प्रभु का स्मरण होते ही मन में आनंद की लहर दौड़ जाती है। जीवन में दृष्टिकोण बदल जाए तो दुःख भी सुख का कारण बन सकता है। जैसे कुत्ते का भौंकना सामान्यतः कष्टदायक लगता है, लेकिन यदि उसी से चोर भाग जाए तो वही सुखद बन जाता है। इसी प्रकार विष अमृत बन सकता है, अमावस्या पूर्णिमा जैसी लग सकती है और यदि जीवन में प्रभु का सान्निध्य मिल जाए तो कलियुग भी सतयुग बन सकता है।

आचार्यश्री ने कहा कि अधिकांश लोग तीन कारणों से परमात्मा के पास जाते हैं आपत्ति का भय, अशांति का भय और असंतोष का भय।

सामान्यतः मनुष्य दुःख आने पर ही भगवान को याद करता है, जबकि सुख के समय प्रभु को भूल जाता है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि सुख के समय भी प्रतिदिन कुछ समय भगवान के चरणों में अवश्य बिताना चाहिए।उन्होंने महाभारत का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण शांति का प्रस्ताव लेकर दुर्योधन के पास गए थे, पर उसने अस्वीकार कर दिया। बाद में संकट आने पर वही दुर्योधन सहायता के लिए भगवान के पास पहुँचा।

यह मानव स्वभाव है कि दुःख में प्रभु को याद करता है, परंतु सच्ची भक्ति सुख–दुःख दोनों में समान रहती है। आचार्यश्री ने कहा कि आपत्ति बाहरी होती है, जबकि अशांति भीतर की होती है। सुविधा का अभाव गरीब की पीड़ा है, लेकिन शांति का अभाव अमीर की पीड़ा है। इसलिए जीवन ऐसा जीना चाहिए कि हमारे जाने के बाद लोगों को हमारी आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि मन की शांति को हमेशा बाहरी परिस्थितियों से अधिक महत्व देना चाहिए।

चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज का हुआ दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मिंजूर के चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में 18 जुलाई को भगवान महावीर सभागार में अपना 23वाँ दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप से आयोजित किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि मद्रास विश्वविद्यालय के नियंत्रक परीक्षा (प्रभारी)डॉ. सी. अरुलवसु थे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने की। समारोह में महाविद्यालय प्रबंधन संस्थान के अध्यक्ष नेमीचन्द कटारिया, सचिव ललितकुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष एवं सचिव कांतिलाल सांघवी, शांतिलाल जैन, पूर्व संयुक्त सचिव उत्तमचन्द भंसाली, हितेंद्र बी. मुनोत तथा जीतेंद्र मेहता सहित अनेक अतिथिगण उपस्थित थे।

महाविद्यालय के सचिव ललित कुमार ओ. जैन ने समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया तथा स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि का पारंपरिक सम्मान किया गया। कांतिलाल संघवीद्वारा शॉल ओढ़ाकर, नेमीचंद एच. कटारिया द्वारा माल्यार्पण कर तथा शांतीलाल एस. जैन द्वारा स्मृति–चिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया।

कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने महाविद्यालय की वार्षिक शैक्षणिक प्रतिवेदन प्रस्तुत की। उन्होंने वर्ष भर की शैक्षणिक उपलब्धियों, विश्वविद्यालय रैंक, विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि डॉ. सी. अरुलवसु ने दीक्षांत भाषण में प्रेरणादायक विचार एवं अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को आजीवन सीखते रहने, नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा बदलते समय में आत्मविश्वास एवं दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह का सबसे महत्वपूर्ण भाग उपाधियों, पुरस्कारों एवं पदकों का वितरण था। इस अवसर पर कुल 375 विद्यार्थियों को उनकी डिग्रियाँ प्रदान की गईं। इनमें पाँच विद्यार्थियों ने मद्रास विश्वविद्यालय में रैंक प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। विश्वविद्यालय रैंक प्राप्त विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने वाले संबंधित विभागों के प्राध्यापकों को भी नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डीएसएवी में युवा नेतृत्व का अलंकरण समारोह

चेन्नई। दयासदन अग्रवाल विद्यालय (डीएसएवी) में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए अलंकरण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित छात्र परिषद् के पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से दायित्व सौंपे गए तथा विद्यालय में नेतृत्व एवं उत्तरदायित्व की नई शुरुआत का शुभारंभ हुआ।

इसके उपरांत मुख्य अतिथि रोटेरियन तरुण मुरुगेश, अध्यक्ष, राष्ट्रीय जीवन रक्षक सोसायटी, ने विद्यालय की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। हाल ही में संपन्न मॉक चुनाव की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए छात्र परिषद् के लोकतांत्रिक निर्वाचन की प्रक्रिया से सभी को अवगत कराया गया। नवनिर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को बैज एवं सैश पहनाकर उनके पद एवं उत्तरदायित्व का औपचारिक दायित्व सौंपा गया। साथ ही पटेल, बोस, टैगोर एवं तिलक सदनों की सदन प्रभारी शिक्षिकाओं की घोषणा की गई। इसके पश्चात छात्र परिषद् के सदस्यों ने सत्यनिष्ठा, अनुशासन, सेवा–भाव एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली। विद्यालय छात्र परिषद् के ध्वजारोहण के साथ नेतृत्व की इस नई यात्रा का शुभारंभ हुआ।

विद्यालय की प्रधानाचार्या लता बी ने छात्र परिषद् के सदस्यों को अपने उत्कृष्ट आचरण एवं कार्यशैली से अन्य विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनने की प्रेरणा दी। वहीं कार्यकारिणी समिति के सदस्य राहुल अग्रवाल ने सफल नेतृत्व में उत्तरदायित्व, सहयोग और टीम भावना के महत्व पर प्रकाश डाला।

ऑनलाइन ठगी करने के आरोप में जामताड़ा में नौ लोग गिरफ्तार

जामताड़ा/भाषा। मोबाइल फोन के जरिये भुगतान पर अत्यधिक 'कैशबैक' का वादा कर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने के आरोप में झारखंड के जामताड़ा में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को दो स्थानों पर छापेमारी के बाद इन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए नौ लोगों में से आठ जामताड़ा जिले के हैं, जबकि एक आरोपी पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल का रहने वाला है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.